

कम्पनी के वित्तीय विवरण एक परिचय

[Introduction of Financial Statement of Company]

अध्ययन उद्देश्य (Learning objectives)

इस अध्याय के अध्ययन के बाद आप जान पाएंगे:

- वित्तीय विवरणों का अर्थ
- वित्तीय विवरणों की विशेषताएँ
- वित्तीय विवरणों के उद्देश्य
- कम्पनी का चिटठा/ स्थिति विवरण का प्रारूप एवं चिटठा तैयार करने के लिए सामान्य निर्देश
- कम्पनी के लाभ-हानि विवरण का प्रारूप एवं कम्पनी के लाभ-हानि विवरण तैयार करने के लिए सामान्य निर्देश

वित्तीय विवरणों का अर्थ [Meaning of Financial Statements]

वित्तीय विवरणों का आशय उन विवरणों से है जो लेखा वर्ष के अन्त में व्यवसाय की लाभदायकता (Profitability) एवं वित्तीय स्थिति (Financial Position) को प्रकट करते हैं। वित्तीय विवरण वित्तीय लेखांकन कार्य के अन्तिम उत्पाद है। ये विवरण किसी संस्था की वित्तीय सूचनाओं को संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करते हैं।

इस प्रकार “वित्तीय विवरण से आशय ऐसे विवरण से है जो लेखा अवधि की समाप्ति पर व्यवसाय की वित्तीय स्थिति एवं व्यावसायिक कार्यों के परिणाम को प्रकट करता है।”

जॉन एन. मॉयर के अनुसार “वित्तीय विवरण शब्द, जैसा कि आधुनिक व्यवसाय में प्रयुक्त किया जाता है, जो दो विवरण, जिनको कि लेखापाल व्यावसायिक संस्था के लिए निश्चित अवधि के अन्त में तैयार करता है, के लिए प्रयुक्त होता है। ये विवरण चिट्ठा या वित्तीय स्थिति का विवरण और आय विवरण या लाभ-हानि विवरण है।”

कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 2(40) के अनुसार कम्पनी के वित्तीय विवरणों में निम्नलिखित को शामिल किया जाता है :-

- (i) वित्तीय वर्ष के अन्त में स्थिति विवरण (Balance Sheet); (ii) वित्तीय वर्ष के लिए लाभ-हानि का विवरण (Statement of Profit & Loss); (iii) वित्तीय वर्ष के लिए रोकड़ प्रवाह विवरण (Cash Flow Statement); (iv) यदि लागू हो तो, समता में परिवर्तनों का विवरण (Statement of Changes in Equity); (v) स्पष्टीकरण नोट (Explanatory Note)

एक व्यक्ति कम्पनी (one person company), लघु कम्पनी (small company), एवं निष्क्रिय/गुप्त कम्पनी (dormant company) को अपने वित्तीय विवरणों के साथ रोकड़ प्रवाह विवरण बनाने से मुक्त रखा गया है।

वित्तीय वर्ष (Financial Year): कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 2(41) के अनुसार कम्पनी या निगमित संस्था की दृष्टि से प्रत्येक वर्ष 31 मार्च को समाप्त होने वाली अवधि को वित्तीय वर्ष कहा जाता है। इस प्रकार यदि इसका सम्मेलन 01 जनवरी या इसके बाद हुआ है, तो अगले वर्ष 31 मार्च को समाप्त होने वाली अवधि जिसके सम्बन्ध में कम्पनी के वित्तीय विवरण तैयार किये जाते हैं, वित्तीय वर्ष कहलायेगा।

कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 129(1) के अनुसार कम्पनी के वित्तीय विवरणों को कम्पनी की वित्तीय स्थिति का (i) सही एवं उचित चित्र (True and Fair view) प्रस्तुत करना चाहिए: (ii) धारा 133 के अनुसार लेखांकन प्रमाणों का पालन करना चाहिए, तथा (iii) यह अनुसूची III में दिये गये निर्धारित प्रारूप में होने चाहिए।

वित्तीय विवरणों की विशेषताएँ (Characteristics of Financial Statements)

(i) वित्तीय विवरणों में सूचनाओं को मौद्रिक रूप में प्रस्तुत किया जाता है। (ii) वित्तीय विवरण ऐतिहासिक प्रपत्र कहलाते हैं क्योंकि ये पिछली अवधि से सम्बंधित होते हैं। (iii) वित्तीय विवरण संस्था की लाभप्रदता को लाभ-हानि विवरण के माध्यम से तथा वित्तीय स्थिति को चिट्ठा/विवरण के माध्यम से प्रस्तुत करते हैं। (iv) वित्तीय विवरण सूचनाओं के प्रयोगकर्ताओं को अनेक प्रकार की सूचनाएँ उपलब्ध कराते हैं।

वित्तीय विवरणों के उद्देश्य (Objectives of Financial Statements)

वित्तीय विवरण सूचनाओं के ऐसे स्रोत होते हैं जो इनके उपयोगकर्ताओं को विभिन्न प्रकार की सूचना उपलब्ध कराते हैं। वित्तीय सूचनाओं को उपयोग करने वाले अनेक वर्ग जैसे— अंशधारी, लेनदार, ऋणदाता, प्रबन्धक, कर्मचारी, सरकार, बैंक एवं वित्तीय संस्थान, कर अधिकारी अनुसंधानकर्ता आदि अनेक प्रकार के निर्णयों के लिए इन सूचनाओं का उपयोग करते हैं। इस प्रकार वित्तीय विवरणों का मुख्य उद्देश्य संस्था की वित्तीय स्थिति, निष्पादन तथा रोकड प्रवाह के बारे में सूचना देना है ताकि विभिन्न उपयोगकर्ता आर्थिक निर्णय ले सकें। संक्षेप में वित्तीय विवरणों के उद्देश्य निम्न हैं :-

1. व्यावसायिक संस्था की वित्तीय स्थिति से सम्बन्धित आवश्यक सूचनाएँ उपलब्ध करवाना। 2. व्यावसायिक संस्था की लाभदायकता से सम्बन्धित आवश्यक सूचनाएँ प्रस्तुत करना। 3. वित्तीय विवरणों में रुचि रखने वाले विभिन्न वर्गों को पर्याप्त एवं वांछित सूचनाएँ उपलब्ध करवाना। 4. भावी निर्णयों के लिए आधार प्रस्तुत करना। 5. व्यवसाय की वित्तीय स्थिति एवं लाभ-हानि का सही एवं उचित चित्र (True and fair view) प्रस्तुत करना। 6. संस्था द्वारा सामाजिक वातावरण को उन्नत करने हेतु किये गये कार्यों की जानकारी उपलब्ध कराना।

कम्पनी का चिट्ठा-स्थिति विवरण

(Balance Sheet of a Company)

प्रत्येक वर्ष के अन्त में कम्पनी द्वारा स्थिति विवरण एवं लाभ-हानि विवरण तैयार किये जाते हैं, जिन्हें वार्षिक खाते कहते हैं। कम्पनी के ये आधारभूत विवरण कम्पनी अधिनियम 2013 की अनुसूची III में दिये गये प्रारूप के अनुसार होने चाहिए। अनुसूची III के भाग I में स्थिति विवरण (Balance Sheet) का प्रारूप दिया गया है और भाग II में लाभ-हानि विवरण (Statement of Profit & Loss) का प्रारूप दिया गया है। इसके साथ ही इसको तैयार करने हेतु आवश्यक निर्देश (General Instructions for Preparation of Balance Sheet/ Statement of Profit & Loss) भी दिये गये हैं। अनुसूची III के अनुसार कम्पनी का चिट्ठा-स्थिति विवरण तैयार करने का नया शीर्ष प्रारूप (Vertical Form) निम्न प्रकार है:

PART - I FORM OF BALANCE SHEET

Name of Company

Balance Sheet as at

Particulars	Note No.	Figures as at the end current reporting period	Figures as at the end of the previous reporting period
1	2	3	4
I. EQUITY AND LIABILITIES			
(1) Share holder's funds			
(a) Share capital			
(b) Reserves and surplus			
(c) Money received against share warrants			
(2) Share application money pending allotment			
(3) Non-Current Liabilities			
(a) Long-term borrowings			

(b) Deferred tax Liabilities (Net) (c) Other Long term Liabilities (d) Long-term provisions (4) Current Liabilities (a) Short-term borrowings (b) Trade Payables (c) Other current Liabilities (d) Short-term provisions Total			
II . Assets (1) Non-current assets (a) Fixed assets (i) Tangible assets (ii) Intangible assets (iii) Capital work-in-progress (iv) Intangible assets under Development (b) Non-current Investments (c) Deferred tax assets (Net) (d) Long-term Loan and Advances (e) Other non-current assets (2) Current assets (a) Current Investments (b) Inventories (c) Trade Receivables (d) Cash and cash equivalents (e) Short-term loans and Advances (f) Other current assets Total			

चिह्न-स्थिति विवरण तैयार करने के लिए सामान्य निर्देश

(General Instructions for Preparation of Balance Sheet)

- चालू सम्पत्ति (Current Assets) -** किसी भी सम्पत्ति को चालू सम्पत्ति (Current Assets) तभी माना जाएगा जब वह निम्न में से किसी एक कसौटी को पूरा करती हो : **(a)** इसके कम्पनी के सामान्य संचालन चक्र (Normal operating cycle) में वसूल होने की सम्भावना है या यह विक्रय करने (sale) या उपभोग (consumption) करने के लिए है। **(b)** यह मुख्यतः व्यापार करने के लिए रखी गई है। **(c)** इसके विवरण तैयार होने की तिथि के 12 माह के अन्दर वसूल होने की सम्भावना है। शेष सभी सम्पत्तियों को गैर चालू सम्पत्ति (Non-Current Assets) माना जाएगा।
- संचालन चक्र (Operating Cycle) -**संचालन चक्र वह समयावधि है जो किसी सम्पत्ति के क्रय करने और इसके नकद अथवा नकद तुल्यों में परिवर्तन होने के बीच की अवधि है। जब संचालन चक्र की अवधि को मापा नहीं जा सकता है तो यह अवधि 12 माह की मान ली जाती है।
- चालू दायित्व (Current Liability):**किसी दायित्व को चालू दायित्व (Current Liability) तभी माना जाएगा जब वह निम्न में से किसी एक कसौटी को पूरा करता हो : **(a)** इसके कम्पनी के सामान्य संचालन चक्र (Normal operating cycle) की अवधि में भुगतान की सम्भावना है। **(b)** यह मुख्यतः व्यापार करने के उद्देश्य से रखा गया हो। **(c)** इसके विवरण तैयार करने की तिथि के 12 माह के अन्दर भुगतान किये जाने की सम्भावना है। शेष सभी दायित्वों को गैर चालू दायित्व (Non Current) माना जायेगा।

4. व्यापारिक प्राप्यताएं (Trade Receivables) : एक प्राप्य को व्यापारिक प्राप्यताएं के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा, यदि वह व्यवसाय की सामान्य व्यावसायिक क्रियाओं के अन्तर्गत माल के विक्रय अथवा सेवाएं प्रदान करने के सम्बन्ध में प्राप्य राशि से सम्बन्धित है। व्यापारिक प्राप्यों में विविध देनदार (Sundry Debtors) एवं प्राप्य बिलों (Bills Receivables) को शामिल किया जाता है।

5. व्यापारिक देयताएं (Trade Payables): एक देयता को व्यापारिक देयताएं के रूप में वर्गीकृत किया जायेगा, यदि यह व्यवसाय की सामान्य व्यावसायिक क्रियाओं के अन्तर्गत माल के क्रय अथवा सेवाएं प्राप्त करने के सम्बन्ध में देय राशि से सम्बन्धित है। व्यापारिक देयताओं में विविध लेनदार (Sundry Creditors) एवं देय बिलों (Bills Payables) को शामिल किया जाता है।

6. स्थिति विवरण में दी गई मदों के स्पष्टीकरण के लिए पहले अनुसूची (Schedule) शब्द का प्रयोग किया जाता था परन्तु अब 'Notes to Accounts' शब्द का प्रयोग किया जाता है।

अब कम्पनी निम्नलिखित को लेखांकन की टिप्पणी (Notes to Accounts) के रूप में दिखायेंगी:

समता एवं दायित्वों का स्पष्टीकरण (Explanation of Equity and Liabilities)

1. अंशधारी कोष (Shareholders Funds); (a) अंश पूँजी (Share Capital):- अंश पूँजी शीर्षक के अन्तर्गत दिखाई जाने वाली कुछ मदें निम्नलिखित हैं :-

(i) अधिकृत (Authorised) अंशों की संख्या एवं राशि; (ii) निर्गमित (Issued), प्रार्थित (Subscribed) और पूर्णतया चुकता (Fully paid up), और प्रार्थित परन्तु पूर्णतया चुकता नहीं (Subscribed but not fully paid) अंशों की संख्या; (iii) प्रति अंश का सम मूल्य (Par value); (iv) प्रतिवेदित अवधि के प्रारम्भ व अन्त में अदत्त अंशों की संख्या का मिलान; (v) कम्पनी के 15% से अधिक अंश धारण करने वाले प्रत्येक अंशधारी द्वारा धारित अंशों की संख्या को निर्दिष्ट करते हुए; (vi) स्थिति विवरण तैयार करने के तुरन्त पूर्व 5 वर्षों की अवधि में (A) अनुबंधों के पालन में बिना रोकड़ प्राप्त किये, पूर्णतया चुकता अंशों के रूप में अंतरित किये गये अंशों की संख्या एवं प्रकार; (B) बोनस अंशों के रूप में पूर्णतया चुकता अंशों के रूप में आबंटित किए गए अंशों की संख्या एवं प्रकार; (C) वापस क्रय किये गये (Buy Back) अंशों की संख्या एवं प्रकार। (vii) अदत्त याचनाएँ (Calls unpaid) संचालकों एवं अधिकारियों द्वारा न चुकाई गई याचनाओं की राशि को प्रदर्शित करते हुए। अदत्त याचनाओं को Subscribed Capital में से घटाया जायेगा। (viii) हरण किये गये अंशों (Forfeited shares) पर प्राप्त राशि। अंश पूँजी को लेखांकन टिप्पणी (Notes to Accounts) में इस प्रकार दर्शाया जाएगा:

Note No.	Particulars	Amount ₹
1.	(A) Share Capital:	
	Authorised Capital	
 Shares of ₹each	xxx
	Issued Capital	
	... Shares of ₹each	xxx
	Subscribed and Fully paid up	
	... Shares of ₹ Each	xxx
	Subscribed but not Fully paid up	
	... Shares of ₹ each ₹ ... colled up	xxx
	Less: Calls in Arrears	xxx
	Add: Shares Forfeited A/c	xxx
	Total	xxx

नोट:-समता अंश पूँजी (Equity share Capital) एवं पूर्वाधिकार अंश पूँजी (Preference share Capital) को पृथक-पृथक दर्शाना है।

उदाहरण 1: सर्वेश्वर लि. का पंजीकरण ₹ 1,20,00,000 की अधिकृत पूँजी से हुआ जो कि ₹ 10 वाले 10,00,000 समता अंशों में तथा ₹ 100 वाले 20,000 9% पूर्वाधिकार अंशों में विभाजित थी। कम्पनी द्वारा ₹ 10 वाले 2,00,000 समता अंश विक्रेताओं को सम्पत्ति की आपूर्ति के बदले जारी किये जा चुके हैं तथा ₹ 100 वाले 20,000 9% पूर्वाधिकार अंश जारी किये जिनके बदले सम्पूर्ण नकद राशि प्राप्त हो चुकी है।

अब कम्पनी ने ₹ 10 वाले 4,00,000 समता अंश ₹ 3 प्रति अंश प्रीमियम पर जारी किये, भुगतान इस प्रकार देय था: आवेदन पर ₹ 4, आबंटन पर (प्रीमियम सहित) ₹ 5, शेष आवश्यकता पड़ने पर कम्पनी को समस्त अंशों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त हुए तथा बंटन किया गया। एक अंशधारी जिसके पास 5,000 अंश थे, उसने आबंटन राशि का भुगतान नहीं किया तथा शेष अंशधारियों द्वारा आबंटन का भुगतान कर दिया गया। उक्त सूचनाओं को कम्पनी के चिट्ठे में 'समता एवं दायित्व' भाग में दर्शाइये।

Sarvesahwar Ltd; was registered with an authorized capital of ₹ 1,20,00,000 divided in 10,00,000 equity shares of ₹ 10 each and 20,000 9% preference shares of ₹ 100 each. Company has issued 2,00,000 equity shares of ₹ 10 each to vendors in consideration for supply of assets and it has issued 20,000; 9% preference shares of ₹ 100 each on which all amount has received in cash.

Now the Company issued 4,00,000 equity shares of ₹ 10 each at a premium of ₹ 3 per share, payable as follows ₹ 4 on Applications; ₹ 5 on Allotment (including premium); balance as and when required. The Company received applications for all these shares and allotment was done by the company. A share holder holds 5,000 shares did not pay the allotment money and remaining share holders has paid allotment money. Show the above informations in the Balance Sheet of the company under. "Equity and Liabilities part."

हल:

Balance Sheet of Sarvesahwar Ltd.

As at.....

Particulars	Notes No.	Current Year ₹	Previous Year ₹
EQUITY AND LIABILITIES			
(I) Share holders' Funds			
(a) Share Capital	1	63,90,000	
(b) Reserves & Surplus	2	11,85,000	
		75,75,000	

Notes to Accounts:

(1) Share Capital Authorised Capital: 20,000 9% Preference Shares of ₹ 100 each 10,00,000 Equity Shares of ₹ 10 each Issued Capital 20,000, 9% Preference shares of ₹ 100 each 2,00,000 Equity shares of ₹ 10 each fully paid up issued to vendors 4,00,000 Equity shares of ₹ 10 each issued to Public Subscribed Capital Subscribed and fully paid capital 20,000, 9% Preference shares of ₹ 100 each		20,00,000 1,00,00,000 1,20,00,000 20,00,000 20,00,000 40,00,000 80,00,000 20,00,000	
---	--	--	--

20,000 Equity shares of ₹ 100 each Fully paid up issued to vendors		20,00,000
Subscribed but not Fully paid capital:		
4,00,000 Equity shares of ₹ 10 each issued to public, ₹ 6 Called up	24,00,000	
Less: Calls in Arrear on 5,000 shares @ ₹ 2	<u>10,000</u>	23,90,000
		63,90,000
(2) Reserves and Surplus:		
Securities premium (4,00,000 shares@₹3 each	12,00,000	
Less: Calls in Arrear on 5,000shares@₹3each	<u>15,000</u>	11,85,000

(b) संचय एवं आधिक्य (Reserves and Surplus): (i) संचय एवं आधिक्य को निम्न प्रकार वर्गीकृत किया जायेगा: (a) पूँजी संचय (Capital Reserves); (b) पूँजी संशोधन संचय (Capital Redemption Reserves); (c) प्रतिभूति प्रीमियम संचय (Securities Premium Reserves); (d) ऋणपत्र शोधन संचय (Debenture Redemption Reserves); (e) पुनर्मूल्यांकन संचय (Revaluation Reserves); (f) अंश विकल्प अदत्त खाता (Share option outstanding Account); (g) अन्य संचय (other Reserves) (प्रत्येक संचय की प्रकृति, उद्देश्य एवं राशि स्पष्ट करते हुए); (h) आधिक्य (Surplus) अर्थात् लाभान्श (Dividend), बोनस अंश एवं संचयों में हस्तान्तरण के पश्चात् लाभ-हानि विवरण (Statement of Profit & Loss) का शेष।

(ii) ऐसा संचय (Reserve) जिसे विनियोग कर दिया गया हो, कोष (Fund) कहलायेगा।

(iii) लाभ-हानि विवरण (Profit & Loss Statement) के डेबिट शेष को आधिक्य (Surplus) शीर्षक के अन्तर्गत ऋणात्मक (Negative) संख्या के रूप में दिखाया जाएगा अर्थात् घटाया जाएगा। इस प्रकार 'Surplus' के 'Negative' शेष को Reserves and Surplus में समायोजित करने के बाद यदि Reserves and Surplus का ऋणात्मक शेष बचता है तो भी इसी शीर्षक के अन्तर्गत दिखाया जायेगा।

नोट :- 1. अंश विकल्प अदत्त खाता, कर्मचारी क्षतिपूर्ति की ऐसी योजना है जिसके अन्तर्गत कम्पनी के कर्मचारियों को यह विकल्प दिया जाता है कि वे भविष्य में निश्चित अवधि पर पूर्व निर्धारित मूल्य पर निश्चित मात्रा में अंश खरीदने के लिए आवेदन कर सकते हैं। ये अंश सामान्यतया बाजार मूल्य से कम (रियायती दर) पर दिये जाते हैं। **2. प्रारम्भिक व्यय—** भारतीय लेखा मानक AS-26 के अनुसार प्रारम्भिक व्ययों को चिट्ठे में नहीं दिखाया जाएगा अपितु जिस वर्ष वे खर्चे हुए हैं उसी वर्ष अपलिखित किया जाना चाहिए। प्रथम प्रतिभूति प्रीमियम से तत्पश्चात् लाभ-हानि विवरण से। **3.** ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टा तथा हानि को ऋणपत्रों की अवधि में या 5 वर्षों में पूँजीगत लाभों से अथवा लाभ-हानि विवरण से अपलिखित किया जाना चाहिए। **4.** अंशों के निर्गमन व्यय तथा अभिगोपन कमीशन को भी 3 से 5 वर्षों में पूँजीगत लाभों में से अथवा लाभ हानि विवरण (surplus) में से अपलिखित किया जाना चाहिए।

अनुसूची III के अनुसार Profit & Loss Appropriation Account नहीं बनाया जाएगा। इसका आशय है कि समायोजनों (Appropriations) को Notes में दिखाया जाएगा। इस हेतु अग्र उदाहरण देखें—

उदाहरण 2. विशाखा लि. की पुस्तकों में 01 अप्रैल, 2016 को निम्न शेष थे:

	₹
प्रतिभूति प्रीमियम (Securities Premium)	1,00,000
ऋणपत्र शोधन संचय (Debenture Redemption Reserves)	2,00,000
लाभ-हानि विवरण (Statement of Profit & Loss)	(4,00,000)

कम्पनी ने 31.03.2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए ₹ 15,00,000 का लाभ कमाया। इसमें से सामान्य संचय (General Reserves) में ₹ 4,00,000, ऋणपत्र शोधन संचय (Debenture Redemption Reserves) में ₹ 4,00,000 अन्तरण (Transfer) करने का निश्चय किया। संचालकों ने ₹ 2,00,000 अन्तिम लाभान्श (Final Dividend) का प्रस्ताव किया। उक्त मदों को स्थिति विवरण एवं लेखांकन टिप्पणी (Notes to Accounts) में दर्शाइये।

Vishakha Ltd. has the following balance on 1st April, 2016;

	₹
Securities Premium	1,00,000
Debenture Redemption Reserves	2,00,000

Statement of Profit and Loss

(4,00,000)

Company earned a profit of ₹15,00,000 for the year ended 31st March, 2017. It is decided to transfer ₹ 4,00,000 to General Reserves and ₹ 4,00,000 to Debenture Redemption Reserves. Directors proposed a final dividend of ₹ 2,00,000. Show the above items in the Balance Sheet and Notes to Accounts.

Extract of Balance Sheet of Vishakha Ltd.**as at 31 March, 2017**

Particulars	Note No.	31-03-2017	31-03-2016
I EQUITY AND LIABILITIES:			
(1) Share holders Funds			
Reserves and Surplus	1	12,00,000	(1,00,000)
(2) Current Liabilities			
Short term Provisions	2	2,00,000	

Notes to Accounts

Particulars	₹	₹	31-03-2017 ₹
(1) Reserves and Surplus			
(a) Securities Premium			1,00,000
(b) Debenture Redemption Reserves			
Opening Balance		2,00,000	
Transfer from Surplus		4,00,000	6,00,000
(c) General Reserves			
Opening Balance		-	
Transfer from Surplus		4,00,000	4,00,000
(d) Surplus			
Balance of Statement of P&L (opening)		(4,00,000)	
Surplus for the period		15,00,000	
Available for Appropriations		11,00,000	
Less: Appropriations:			
Debenture Redemption Reserves	4,00,000		
General Reserves	4,00,000		
Proposed Dividend	<u>2,00,000</u>	<u>10,00,000</u>	1,00,000
			12,00,000
(2) Short term Provisions:			
Proposed Dividend			2,00,000

(c) अंश वारंट के बदले प्राप्त नकद राशि (Money received against share warrants) :- अंश वारंट एक सार्वजनिक कम्पनी द्वारा जारी किया गया ऐसा वित्तीय प्रलेख है जो इसके धारक को बाद की किसी तिथि पर एक निश्चित संख्या में समता अंश प्राप्त करने का अधिकार प्रदान करता है। अंश वारंट के बदले प्राप्त राशि को अंश पूँजी के रूप में नहीं दिखाया जाता है क्योंकि अभी अंशों का आबंटन होना बाकी है। अतः इसे पृथक रूप से दर्शाते हुए shareholders' fund में सम्मिलित किया जाता है।

2. अंश आवेदन राशि, जब तक आबन्तन न हो (Share Application Money Pending Allotment) :- यदि किसी कम्पनी द्वारा अंशों पर आवेदन राशि को प्राप्त कर ली गई हो, परन्तु चिटठा बनाने की तिथि तक अंशों का आबन्तन नहीं किया गया हो तो इस राशि को इस शीर्षक के अन्तर्गत दर्शाया जाता है।

3. गैर चालू दायित्व (Non Current Liabilities):- गैर चालू दायित्व वह दायित्व है, जो चालू दायित्व नहीं है। इनका वर्गीकरण निम्न प्रकार किया गया है: (i) दीर्घ कालीन ऋण (Long-term Borrowings):- दीर्घकालीन ऋणों

से आशय कम्पनी द्वारा लिये गये ऐसे ऋणों से है जो ऋण लेने की तिथि से 12 माह पश्चात देय हो। इनका वर्गीकरण इस प्रकार है; (a) बॉण्ड/ऋणपत्र (Bonds/Debenture)

(b) अवधि ऋण (Term Loans) (क) बैंकों से (ख) अन्य पक्षकारों से

(c) स्थगित भुगतान दायित्व (Deferred Payment Liabilities)

(d) जमाएँ (Deposits) जो 12 माह पश्चात देय है।

दीर्घकालीन ऋणों को सुरक्षित (Secured) एवं असुरक्षित (Unsecured) उपवर्गों में भी वर्गीकृत किया जायेगा। यदि दीर्घकालीन ऋणों का कुछ भाग स्थिति विवरण की तिथि से 12 माह के भीतर देय हो तो उस भाग को अन्य गैर चालू दायित्व (other current Liabilities) शीर्षक के अन्तर्गत 'Current Maturity of Long Term Debts' के रूप में दिखाया जायेगा।

(ii) स्थगित कर दायित्व (Defferd Tax Liabilities) (Net):- लेखांकन आय पर कर और कर योग्य आय पर कर के अन्तर को स्थागित कर कहा जाता है। कर योग्य आय (Taxable Income) की गणना प्रचलित कर कानूनों के आधार पर होती है जबकि लेखांकन आय (Accounting Income) संस्था में प्रचलित लेखांकन प्रणालियों के आधार पर निर्धारित की जाती है। लेखांकन आय संस्था के लाभ हानि विवरण द्वारा प्रदर्शित की जाती है। वर्तमान में प्रायः कर आयोजन (Provision for Tax) की गणना कर योग्य आय के आधार पर की जाती है, परन्तु इसकी गणना लेखांकन आय के आधार पर भी की जा सकती है।

स्थगित कर दायित्व(Deferred Tax Liabilities):- स्थगित कर दायित्व उस समय उत्पन्न होता है जब लेखांकन आय कर योग्य से अधिक होती है।

(iii) अन्य दीर्घकालीन ऋण (Other Long Term Liabilities):- इन्हें निम्न प्रकार वर्गीकृत किया जायेगा:

(a) व्यापारिक देयताएँ (Trade Payable) - यदि ये 12 माह के पश्चात देय है। (b) अन्य (Others)

(iv) दीर्घकालीन आयोजन (Long Term Provisions):- वे सभी आयोजन जिनके विरुद्ध दावे स्थिति-विवरण की तिथि से 12 माह पश्चात चुकाये जाने की सम्भावना है, उन्हें 'Long Term Provisions' के अन्तर्गत दर्शाया जाता है। इन्हें निम्न प्रकार वर्गीकृत किया जाता है। (a) कर्मचारी हितों के लिए आयोजन (Provision for Employee Benefits) (b) अन्य (Others) वारन्टी के लिए आयोजन।

4. चालू दायित्व (Current Liabilities):- वे दायित्व जिनका भुगतान स्थिति विवरण तैयार करने की तिथि से 12 माह के अन्दर किये जाने की सम्भावना है। इन्हें निम्न प्रकार वर्गीकृत किया जाएगा :

(a) अल्पकालीन ऋण (Short Term Borrowings):- (i) मांग पर देय ऋण (Loan repayable on Demand):

(क) बैंकों से (From Banks) – Cash Credit and OverDraft etc; (ख) अन्य पक्षकारों से (From Others)

(ii) जमायें (Deposits); (iii) अन्य ऋण एवं अग्रिम (Other Loans and Advances)

(b) व्यापारिक देयताएँ (Trade Payables) :- यदि यह 12 माह या इससे कम अवधि में देय है। इनके उदाहरण हैं: Creditors and Bills Payable

(c) अन्य चालू दायित्व (Other Current Liabilities):- इन्हें निम्न प्रकार वर्गीकृत किया जाएगा—

(i) दीर्घकालीन ऋण जो वर्तमान में देय है (Current Maturities of Long Term Debts) - ऋणपत्रों या बैंक ऋण की वह राशि जो स्थिति विवरण की तिथि से 12 माह के अन्दर देय है।

(ii) ऋणों पर अदत्त ब्याज, किन्तु देय नहीं (Interest accrued but not due on borrowings)

(iii) ऋणों पर अदत्त एवं देय ब्याज (Interest accrued and due on Borrowings)

(iv) अग्रिम प्राप्त आय (Income Received in Advances) (v) न चुकाया गया लाभांश (Unpaid Dividends)

(vi) प्रतिभूतियों के आवेदन के लिए प्राप्त आधिक्य आवेदन राशि जो वापिस करनी है और इस पर देय ब्याज।

(vii) जमा राशियाँ (Deposits) जो भुगतान के लिए देय (matured) हो गयी हों परन्तु चुकाई नहीं गई है और इन पर देय ब्याज।

(viii) ऋणपत्र जो भुगतान के लिए देय (matured) हो गये हैं परन्तु चुकाए नहीं गये है और इन पर देय ब्याज।

(ix) अन्य देय राशियाँ (Other Payables) : बकाया व्यय, अग्रिम मांग एवं उस पर ब्याज, न मांगा गया लाभांश, प्रोविडेण्ट फण्ड आदि।

(d) अल्प कालीन आयोजन (Short term Provisions) :- ऐसे आयोजन जिनके विरुद्ध दावे स्थिति विवरण की तिथि से 12 माह के अन्दर उत्पन्न होने की सम्भावना है, उन्हें 'Short Term Provisions' के अन्तर्गत दर्शाया जायेगा। उन्हें निम्न प्रकार वर्गीकृत किया जायेगा: **(i)** कर्मचारी कल्याण आयोजन (Provision for Employee benefits) **(ii)** अन्य (जैसे – Provision for Tax, Proposed Dividend) **(iii)** संदिग्ध ऋणों के लिए आयोजन (Provision for Doubtful Debts)

सम्पतियों का स्पष्टीकरण (Explanation of Assets)

I. गैर चालू सम्पत्तियाँ (Non Current Assets):- वे सम्पत्तियाँ जिन्हें चालू सम्पत्तियाँ के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाता है।

(a) स्थायी सम्पत्तियाँ (Fixed Assets) :- स्थायी सम्पत्तियाँ वे सम्पत्तियाँ हैं जिन्हें व्यवसाय में निरन्तर उपयोग के लिये रखा जाता है न कि विक्रय के लिए।

(i) मूर्त सम्पत्तियाँ (Tangible Assets):- मूर्त सम्पत्तियाँ वे सम्पत्तियाँ हैं जिन्हें भौतिक रूप से देखा या छुआ जा सकता है। इनका वर्गीकरण है:

(A) भूमि (Land) **(B)** भवन (Building) **(C)** संयंत्र एवं उपकरण (Plant and Equipment) **(D)** फर्नीचर एवं साज-सज्जा (Furniture and Fixtures) **(E)** वाहन (Vehicles) **(F)** कार्यालय उपकरण (Office Equipment) **(G)** अन्य (Others)

(ii) अमूर्त सम्पत्तियाँ (Intangible Assets):- वे सम्पत्तियाँ जिनका कोई भौतिक अस्तित्व नहीं होता है तथा जिन्हें देखा व छुआ नहीं जा सकता है। इनका वर्गीकरण इस प्रकार है:

(a) ख्याति (Goodwill) **(b)** ब्राण्ड एवं व्यापारिक चिन्ह (Brands/Trade Marks) **(c)** कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर (Computer Software) **(d)** मास्टहेड एवं प्रकाशन अधिकार (Mastheads and Publishing Titles) किसी समाचार पत्र या पत्रिका का नाम जो इसके प्रथम पृष्ठ के ऊपर छपता है, मास्ट हेड कहलाता है। **(E)** खनन अधिकार (Mining rights) **(f)** प्रतिलिप्याधिकार (Copyrights), एकस्व (Patents), अन्य बौद्धिक सम्पत्ति अधिकार (Intellectual Property Rights), सेवाएं एवं संचालन अधिकार (Services and operating rights) **(g)** नुस्खे (Recipes), फॉर्मूला (Formula), डिजाइन एवं मूलरूप (Prototypes) **(h)** लाइसेन्स एवं फ्रैन्चाइज (Licence and Franchise)

(iii) पूँजीगत कार्य जो प्रगति पर है (Capital Work-in-Progress): पूँजीगत कार्य जो प्रगति पर है से आशय ऐसी स्थायी मूर्त सम्पत्तियों से है जो निर्माणाधीन है जैसे—भवन, संयंत्र एवं उपकरण आदि। **(iv) अमूर्त सम्पत्तियाँ जो विकास की दशा में है (Intangible Assets under Developments):** ऐसे पेटेन्ट आदि जिन पर कार्य जारी है।

(b) गैर चालू विनियोग (Non Current Investment):- एक वर्ष से अधिक की अवधि के ऐसे विनियोग जिन्हें कम्पनी में बेचने के लिए नहीं अपितु अपने पास रखने के लिए क्रय किया हुआ है।

(i) गैर चालू विनियोगों को व्यापारिक विनियोग (Trade Investment) व अन्य विनियोग (Other Investment) में वर्गीकृत किया जाएगा।

(क) व्यापारिक विनियोग (Trade Investment) :- एक कम्पनी द्वारा अपने व्यापार एवं व्यवसाय में वृद्धि करने के उद्देश्य से अन्य कम्पनी के अशोध्य ऋणपत्रों में किये गये विनियोग, व्यापारिक विनियोग कहलाते हैं।

(ख) अन्य विनियोग (Other Investment) :- व्यापारिक विनियोगों को छोड़कर शेष सभी विनियोग, अन्य विनियोग कहलाते हैं। विनियोगों को पुनः निम्न प्रकार से वर्गीकृत किया जा सकता है :

(a) सम्पत्ति में विनियोग (Investment in Property):- विनियोग सम्पत्ति से आशय उस भूमि तथा भवन से है जिसे मूल्य वृद्धि अथवा किराया अर्जित करने के उद्देश्य से रखा गया है न कि **(i)** माल के उत्पादन या पूर्ति करने के लिए अथवा सेवाओं अथवा प्रशासनिक कार्यों के लिए अथवा **(ii)** व्यवसाय के सामान्य संचालन के दौरान विक्रय के लिए।

(b) समता प्रपत्रों में विनियोग (Investments in Equity Instruments)

(c) पूर्वाधिकार अंशों में विनियोग (Investments in Preference shares)

(d) सरकारी अथवा ट्रस्ट प्रतिभूतियों में विनियोग (Investments in Government or Trust Securities)

(e) ऋणपत्रों या बॉन्ड्स में विनियोग (Investment in Bonds-Debentures)

(f) म्यूच्युअल फण्डों में विनियोग (Investments in Mutual Funds)

(g) साझेदारी फर्मों में विनियोग (Investments in Partnership firms)

(h) अन्य गैर चालू विनियोग (Other Non-Current Investments)

(ii) लागत मूल्य पर मूल्यांकित न किये गये विनियोगों को इनके मूल्यांकन के आधार सहित अलग से प्रदर्शित किया जाएगा।

(iii) निम्नलिखित का भी प्रकटीकरण किया जाएगा— (a) स्टॉक एक्सचेंज पर सूचित विनियोग (Quoted Investments) एवं इनका बाजार मूल्य (b) स्टॉक एक्सचेंज पर न सूचित विनियोगों (Unquoted Investment) का मूल्य। (c) विनियोगों के मूल्य में कमी के लिए आयोजन।

(c) **स्थगित कर सम्पत्तियाँ (Deferred Tax Assets):-** स्थगित कर सम्पत्तियाँ उस समय उत्पन्न होती हैं जब लेखांकन आय कर योग्य आय से कम होती है। उदाहरणार्थ लेखांकन आय की गणना करते समय डूबत ऋण आयोजन की राशि को घटाया जाता है जबकि कर योग्य आय की गणना करते समय डूबत ऋण आयोजन को व्यय न मानकर वास्तविक डूबत ऋण को ही व्यय माना जाता है। परिणामतः लेखांकन आय कम हो जाती है।

(d) **दीर्घकालीन ऋण एवं अग्रिम (Long Term Loans and Advances):-** ऐसे ऋण एवं अग्रिम जिनके स्थिति विवरण की तिथि से 12 माह के अन्दर वापिस प्राप्त होने की सम्भावना नहीं है। इन्हें निम्न प्रकार वर्गीकृत किया जाएगा: (i) पूँजीगत अग्रिम (Capital Advances):- स्थायी सम्पत्तियों को क्रय करने के लिए दिये गये अग्रिम पूँजीगत अग्रिम कहलाते हैं। ये अग्रिम नकद राशि में प्राप्त नहीं होते अपितु स्थायी सम्पत्ति के रूप में परिवर्तित होते हैं। अतः इन्हें दीर्घकालीन ऋण एवं अग्रिम में वर्गीकृत किया जाता है। (ii) जमानती जमा (Security Deposits):- स्थिति विवरण की तिथि से 12 माह से अधिक की अवधि के लिए दी गई जमानत राशि इस शीर्षक में आती है, जैसे— बिजली एवं टेलीफोन के लिए दी गई जमानत राशि। (iii) अन्य ऋण एवं अग्रिम (Other Loans and Advances) (Specify nature)

(e) **अन्य गैर चालू सम्पत्तियाँ (Other Non-Current Assets):-** (i) दीर्घकालीन व्यापारिक प्राप्य (Long Term Trade Receivables) (स्थगित उधार शर्तों पर व्यापारिक प्राप्यों सहित) (ii) अन्य (Others) (iii) दीर्घकालीन व्यापारिक प्राप्यों का वर्गीकरण निम्न प्रकार किया जाएगा— (A) 1. सुरक्षित जो अच्छे माने गये हैं (Secured, considered good), 2. असुरक्षित जो अच्छे माने गये हैं (Unsecured, considered good), 3. संदिग्ध (Doubtful) (B) डूबत और संदिग्ध ऋणों के लिए आयोजन को उचित शीर्षक में अलग से दिखाया जाएगा।

(C) कम्पनी के संचालकों एवं अन्य अधिकारियों से देय राशियों को अलग से दर्शाया जायेगा।

II. चालू सम्पत्तियाँ (Current Assets):- वे सम्पत्तियाँ जिनके सामान्य संचालन चक्र में अथवा स्थिति विवरण की तिथि से 12 माह के अन्दर वसूल होने की सम्भावना है, जो मुख्यतः व्यापार के लिए रखी गई हैं। इन्हें निम्न प्रकार वर्गीकृत किया जाएगा:

(A) **चालू विनियोग (Current Investments):-** वे विनियोग जिन्हें क्रय करने की तिथि से 12 माह के अन्दर नकदी में परिवर्तित करने के उद्देश्य से रखा जाता है। इन्हें निम्न प्रकार वर्गीकृत किया जायेगा:

(a) समता प्रपत्रों में विनियोग (Investment in Equity Instruments), (b) पूर्वाधिकार अंशों में विनियोग (Investment in Preference shares), (c) सरकारी अथवा ट्रस्ट प्रतिभूतियों में विनियोग (Investment in Government or Trust Securities), (d) ऋणपत्रों अथवा बॉण्ड्स में विनियोग (Investment in Debentures or Bonds), (e) म्यूच्युअल फण्डों में विनियोग (Investment in Mutual Funds), (f) साझेदारी फर्मों में विनियोग (Investment in Partnership Firms), (g) अन्य विनियोग (other Investments)

(B) **स्टॉक (Inventories):-** स्टॉक को निम्न प्रकार वर्गीकृत किया जाएगा:

(a) कच्चा माल (Raw Materials), (b) अर्द्ध निर्मित माल (Work-in-Progress), (c) निर्मित माल (Finished goods), (d) व्यापारिक रहतिया (Stock-in-Trade) (व्यापार के लिए क्रय किया गया स्टॉक), (e) स्टोर्स तथा स्पेयर्स (Stores and Spares), (f) छोटे औजार (Loose Tools)। **नोट : (1)** मार्ग में माल (Goods-in-Transit) को स्टॉक के अन्तर्गत अलग उप शीर्षक में दर्शाया जायेगा। **(2)** स्टॉक के मूल्यांकन की तिथि को स्पष्ट किया जायेगा।

(C) व्यापारिक प्राप्यताएँ (Trade Receivables):- व्यापार के सामान्य संचालन के दौरान माल विक्रय या सेवाएँ प्रदान करने से प्राप्य (Receivables) व्यापारिक प्राप्य कहलाते हैं। इनमें मुख्यतः 12 माह के अन्दर वसूल होने वाले देनदारों (Debtors) एवं प्राप्य बिलों (Bills Receivables) को शामिल किया जाता है।

(i) डूबत ऋण एवं संदिग्ध ऋणों के लिए आयोजन को उचित शीर्षक में दिखाया जायेगा। **(ii)** कम्पनी के संचालकों एवं अन्य अधिकारियों से देय राशियों को पृथक से दर्शाया जायेगा।

(D) नकद एवं नकद तुल्य (Cash and Cash Equivalents) **(i)** रोकड एवं रोकड तुल्यों को निम्न प्रकार वर्गीकृत किया जाएगा: **(a)** बैंक में शेष (Cash at Bank or Balance with Banks), **(b)** कम्पनी के पास चैक एवं ड्राफ्ट (Cheques/drafts in hands) **(c)** नकद शेष (Cash in hand) **(d)** अन्य (Others)

(ii) बैंक के पास निश्चित उद्देश्य के लिए जमा राशि (उदाहरणार्थ—unpaid dividend) को अलग से दिखाया जाता है।

(iii) बैंकों के पास ऋणों, गारन्टी या अन्य वचनदाताओं आदि के लिए रखी गई जमानत राशि को अलग से दिखाया जायेगा।

(iv) 12 माह से अधिक परिपक्वता अवधि के Bank Deposit को पृथक से दर्शाया जायेगा।

रोकड तुल्य (Cash Equivalents):- ऐसे अल्पकालीन अत्यधिक तरल विनियोग हैं जिन्हें तुरन्त रोकड में परिवर्तित किया जा सकता है और इनके मूल्य में परिवर्तन का जोखिम नहीं के बराबर होता है। किसी भी विनियोग को रोकड तुल्य तभी माना जाता है जबकि इसकी परिपक्वता अवधि कम से कम अर्थात् प्राप्त करने की तिथि से 3 माह या इससे कम हो।

(E) अल्पकालीन ऋण एवं अग्रिम (Short term Loans and Advances);

(F) अन्य चालू सम्पत्तियाँ (Other Current Assets):- इस शीर्षक के अन्तर्गत वे सभी चालू सम्पत्तियाँ शामिल की जाएगी, जो उपरोक्त किसी भी शीर्षक में शामिल नहीं की जा सकती है जैसे—पूर्वदत्त व्यय (Prepaid Expenses), आपूर्तिकर्ताओं को अग्रिम (Advance to Suppliers), निवेश पर उपार्जित ब्याज (Interest accrued on Investments), अग्रिम कर (Advance Tax) आदि।

आकस्मिक दायित्वों (Contingent Liabilities) तथा वचनबद्धताओं (Commitments) का स्पष्टीकरण (जिस सीमा तक आयोजन नहीं किया गया है।)

1. आकस्मिक दायित्व (Contingent Liabilities):- ये वे दायित्व हैं जो वर्तमान में दायित्व नहीं हैं परन्तु जिनका होना या न होना भविष्य की किसी घटना पर आधारित होता है अर्थात् दायित्व का होना निश्चित नहीं है। इनकी राशि चिट्ठे के योग में शामिल नहीं की जाती हैं। अतः इनकी राशि को चिट्ठे के नीचे Notes to Accounts में दिखाया जाता है। इनमें निम्नलिखित आकस्मिक/सांयोगिक दायित्वों को दिखाया जाता है:

(a) कम्पनी के विरुद्ध किये गये ऐसे दावे जिन्हें अभी तक कम्पनी ने देना स्वीकार नहीं किया है। **(b)** कम्पनी द्वारा यदि कोई गारन्टी ली हुई है तो उसके अन्तर्गत दायित्व। **(c)** अन्य धनराशि जिसके लिए कम्पनी सम्भाव्य रूप से उत्तरदायी है।

2. वचनबद्धताएँ (Commitments):- वचनबद्धताओं से आशय है, ‘भविष्य में किन्हीं निश्चित दशाओं में किसी निश्चित समय पर किसी निश्चित कार्य को करने का अनुबन्ध।’ वचनबद्धताओं को निम्न प्रकार वर्गीकृत किया जाएगा:

(a) उन ठेकों की अनुवांछित राशि जो अभी अपूर्ण है और जिनके लिए कोई आयोजन नहीं किया गया है।

(b) आंशिक चुकता अंशों पर न मांगी हुई याचनाओं की राशि (Uncalled liability on partly paid shares)- यदि किसी कम्पनी ने किस अन्य कम्पनी के ‘आंशिक चुकता अंश’ विनियोग के रूप में क्रय किये हुये हैं तो इन अंशों पर ‘न मांगी गई राशि’ कम्पनी के लिए वचनबद्धता है, क्योंकि यह राशि कभी भी चुकानी पड सकती है।

(c) अन्य वचनबद्धताएँ (Other Commitments):- जैसे संचयी पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश की बकाया राशि (Arrear of Dividends on Cumulative Preference shares)

उदाहरण 3 : किसी कम्पनी के आर्थिक चिट्ठे में निम्नलिखित मदों को आप किन शीर्षकों के अन्तर्गत दिखाएंगे ?

Under which heads will you show the following items in the Balance Sheet of Company?

(1) अयाचित लाभांश (Unclaimed Dividend), **(2)** प्रतिभूति प्रीमियम (Securities Premium), **(3)** प्रस्तावित लाभांश (Proposed Dividend), **(4)** प्रारम्भिक व्यय (Preliminary Expenses), **(5)** स्वीकृतियाँ (Acceptances),

(6) ऋणपत्र (Debentures), (7) भुगतान के लिए ऋणपत्र (Matured Debentures), (8) अग्रिम मांग (Calls-in-Advance), (9) बकाया मांग (Calls-in-Arrears), (10) कर के लिए आयोजन (Provision for Tax), (11) पूर्वदत्त बीमा (Prepaid Insurance), (12) व्यापारिक चक्र के दौरान नकदी में प्राप्य अग्रिम (Advances recoverable in cash with in the operating cycle), (13) आंशिक चुकता अंशों पर न मांगी गई राशि (Uncalled Liability on partly paid shares), (14) सुरक्षित ऋणों पर अर्जित एवं देय ब्याज (Interest Accrued and due on Secured Loan), (15) लाभ-हानि विवरण का Dr. शेष (Debit Balance of Statement of P&L), (16) अंश निर्गमन के व्यय (Share issue Expenses) (To be written off after 12 months)

हल:

S.No.	Items	Heading	Sub heading (if any)
1.	Unclaimed Dividend	Current Liabilities	Other Current Liabilities
2.	Securities Premium	Shareholders Funds	Reserves & Surplus
3.	Proposed Dividend	Current Liabilities	Short term Provision
4.	Preliminary Expenses	(As per Note)	-
5.	Acceptances	Current Liabilities	Trade Payables
6.	Debentures	Non-Current Liabilities	Long term Borrowings
7.	Matured Debentures	Current Liabilities	Other-Current-Liabilities
8.	Calls-in-Advance	Current Liabilities	Other-Current-Liabilities
9.	Calls-in-Arrears	Shareholders Funds	It is deducted from the subscribed but not fully paid capital
10.	Provision for Tax	Current Liabilities	Short term Provisions
11.	Prepaid Insurance	Current Assets	Other Current Assets
12.	Advances recoverable in cash with in the operating cycle	Current Assets	Short term Loans and Advances.
13.	Uncalled Liability on partly paid shares.	Commitments in Notes to accounts	-
14.	Interest accrued and due on Secured Loans	Current Liabilities	Other Current Liabilities
15.	Debit Balance of Statement of Profit & Loss	Shareholders funds	Reserves & Surplus (Shown as a negative figures) under 'Surplus'
16.	Share Issue Expenses (to written off after 12 months)	Be Non Current Assets	Other Non-Current Assets.

Note : Preliminary Expenses – Not shown in Balance sheet since as per AS-26 these Expenses are to be written off in the year in which they are incurred.

कम्पनी अधिनियम 2013 की अनुसूची III के भाग II में **Statement of Profit and Loss** का प्रारूप दिया गया है।

नोट : C.B.S.E के द्वारा अपने परिपत्र सं 43 दिनांक 02 जुलाई, 2013 में बोर्ड परीक्षाओं के लिए निम्न प्रारूप दिया गया है:

PART – II
STATEMENT OF PROFIT AND LOSS

Name of the company-----

Profit and Loss Statement for the year ended-----

(₹in.....)

	Particulars	Note No.	Figures for the current reporting period	Figures for the previous reporting period
I	Revenue from operations		XXX	XXX
II	Other Income		XXX	XXX
III	Total Revenue (I+II)		XXX	XXX
IV	Expenses:			
	Cost of Material Consumed		XXX	XXX
	Purchases of stock-in-trade		XXX	XXX
	Changes-in-Inventories of finished goods, Work-in-progress and stock-in-Trade		XXX	XXX
	Employee Benefits Expenses		XXX	XXX
	Finance Costs		XXX	XXX
	Depreciation and Amortization Expenses		XXX	XXX
	Other Expenses		XXX	XXX
	Total Expenses		XXX	XXX
V	Profit Before Tax (III-IV)		XXX	XXX
VI	Tax		XXX	XXX
VII	Profit After Tax (V-VI)		XXX	XXX

लाभ-हानि विवरण तैयार करने के लिए सामान्य निर्देश

(General Instructions for Preparation of Statement of Profit and Loss)

I. संचालन क्रियाओं से आगम (प्राप्ति) (Revenue from Operations):-

(अ) वित्तीय कम्पनी के अलावा अन्य कम्पनियों की दशा में संचालन क्रियाओं से आगम शीर्षक के अन्तर्गत (Notes में अलग से) निम्न को दर्शाया जायेगा:

(a) माल के विक्रय से आगम प्राप्ति (सकल), घटाइये : वापसी (Revenue from sale of products (Gross) Less: Returns)

(b) सेवाओं के विक्रय से आगम प्राप्ति (Revenue from sale of services)

(c) अन्य संचालन क्रियाओं से आगम प्राप्ति (Other operating Revenues) जैसे— अवशेष का विक्रय, प्राप्त कमीशन आदि। Less:(d)उत्पादन शुल्क (Excise Duty)

(ब)वित्तीय कम्पनी की दशा में परिचालन क्रियाओं से आय में निम्नलिखित शामिल होगा:

(a)ब्याज की आय (Interest Income), (b) लाभांश की आय (Dividend Income), (c)विनियोगों के विक्रय से शुद्ध लाभ-हानि (Net profit/Loss on sale of Investments), (d) अन्य वित्तीय सेवाओं से प्राप्त आय (Revenue from other financial services)

II. अन्य आय (Other Income):-अन्य आय को निम्न प्रकार वर्गीकृत किया जाएगा:

(a) ब्याज की आय ((Interest Income), (b) लाभांश की आय (Dividend Income). (c) विनियोगों के विक्रय से शुद्ध लाभ-हानि (Net profit/Loss on sale of Investment), (d) अन्य गैर संचालन आय (Other Non-operating Income) (इस प्रकार की आय में से उससे सम्बन्धित व्यय घटाकर शुद्ध आय दर्शायी जाएगी) जैसे—(i) स्थायी सम्पत्तियों के विक्रय पर लाभ (Profit on Sale of Fixed Assets), (ii) बट्टा कटौती प्राप्त की (Discount Received), (iii) किराया प्राप्त किया (Rent Received), (iv) हस्तांतरण शुल्क (Transfer fees), (v) अपलिखित किय गये विविध लेनदार (Sundry Creditors written off), (vi) डूबत ऋण आयोजन के आधिक्य का पुनर्लेखन

(Excess provision for bad debts written back), (vii) प्रोजेक्ट परामर्श से आय (Revenue from project consultancy), (viii) ऋण उपलब्ध करवाने से फीस (Fees received from arranging loans), (ix) विविध मदों का विक्रय (Sale of miscellaneous Items) जैसे— News papers etc. (x) कर वापसी (Refund of Income Tax)

III. व्यय (Expenses):- व्यय वर्ग के अन्तर्गत निम्न मदों को दर्शाया जायेगा:

(a) सामग्री उपभोग की लागत (**Cost of Materials Consumed**):- सामग्री उपभोग की लागत से आशय वस्तु/माल के निर्माण में प्रयुक्त कच्चे माल (Raw Materials) तथा अन्य सामग्री की लागत से है। प्रयुक्त सामग्री की लागत की गणना इस प्रकार की जाएगी:

Cost of Material consumed = Opening Inventory (stock) of Raw materials + Purchases of materials - closing Inventory (stock) of Raw materials

नोट: ऐसी वस्तुएँ जो भौतिक रूप से निर्मित माल का अंग नहीं बनती हैं जैसे— स्टोर्स (Stores), ईंधन (Fuel), अतिरिक्त पुर्जे (Spares parts) आदि को कच्चे माल में शामिल नहीं किया जाता। इन्हें 'Other Expenses' के अन्तर्गत दर्शाया जाता है।

(b) व्यापारिक रहतिये का क्रय (**Purchase of stock-in-Trade**):- किसी व्यापारिक संस्था द्वारा जो माल पुनःविक्रय के उद्देश्य से क्रय किया है उसे purchase of stock-in-trade कहा जाता है। इसके अतिरिक्त कोई भी माल किसी अन्य माल के उत्पादन प्रक्रिया में प्रयोग करने हेतु खरीदा गया है, उसकी लागत सामग्री उपभोग की लागत में शामिल होगी।

(c) निर्मित माल, अर्द्ध निर्मित माल तथा व्यापारिक रहतिये के स्टॉक में परिवर्तन (**Changes in Inventories of finished goods, work-in-progress and stock-in-Trade**) इसे निम्न प्रकार से दर्शाया जायेगा;

(i) Opening Inventory of finished goods	xxx	
Less: closing Inventory of finished goods	<u>xxx</u>	xxx
(ii) Opening Inventory of work-in-progress	xxx	
Less: closing Inventory of work-in-progress	<u>xxx</u>	xxx
(iii) Opening Inventory of stock-in-Trade	xxx	
Less: closing Inventory of stock-in-Trade	<u>xxx</u>	<u>xxx</u>
Total (i+ii+iii)		<u>xxx</u>

नोट: प्रारम्भिक रहतिये (Opening Inventory) एवं अन्तिम रहतिये (closing Inventory) का शुद्ध अन्तर धनात्मक/ऋणात्मक हो सकता है।

(d) कर्मचारियों के हित के व्यय (**Employee Benefit Expenses**):- इसमें निम्न को अलग-अलग दिखाया जाएगा:

(i) वेतन एवं मजदूरी (Salaries and Wages), बोनस, छुट्टियों के बदले नकद भुगतान (ii) भविष्य निधि एवं अन्य कोषों में अंशदान (Contribution to Provident and other Funds) जैसे— Gratuity fund, Superannuation funds (iii) कर्मचारी कल्याण व्यय (Staff welfare Expenses) जैसे— केण्टीन व्यय, चिकित्सा व्यय (Medical Expenses), Employees stock option schemes (ESOS), Employee stock Purchase (ESPP) etc.

(e) वित्तीय लागतें (**Finance costs**):- वित्तीय लागतों का वर्गीकरण निम्न है जैसे :

(i) ब्याज व्यय (**Interest Expenses**):- (क) बैंक से लिये गये दीर्घकालीन ऋण पर ब्याज का भुगतान। (ख) बैंक अधिविकर्ष नकद साख सीमा (Bank overdraft and cash credit limit) पर ब्याज का भुगतान। (ग) ऋणपत्र, वचनपत्र (Bonds) तथा सार्वजनिक जमाओं पर ब्याज का भुगतान।

(ii) अन्य ऋण लेने की लागत (**Other Borrowing Costs**): जैसे— (क) ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टा (Discount) या हानि (Loss) का अपलेखन। (ख) ऋणपत्रों के शोधन पर देय प्रीमियम। (ग) ऋण प्रोसेसिंग फीस (Loan Processing fees) (घ) गारन्टी शुल्क (Guarantee charges) (च) जमा एकत्रित करने के दिया लिए जाने वाला कमीशन (Commission paid for deposit mobilization) आदि।

(f) ह्रास एवं प्रत्युत्सर्जन/अपलेखन व्यय (**Depreciation and Amortization Expenses**)

(i) **ह्रास (Depreciation)**- ह्रास मूर्त सम्पत्तियों को अपलिखित करने की लागत है। (ii) **प्रत्युत्सर्जन/ अपलेखन (Amortization)**- दीर्घकालीन अमूर्त सम्पत्तियों के अपलेखन की लागत को प्रत्युत्सर्जन कहा जाता है। जैसे—Goodwill, Patents, Technical know how, Computer software का अपलेखन।

(g) **अन्य व्यय (other Expenses)**: अन्य सभी व्यय जो उपर्युक्त (a) से (f) शीर्षक में नहीं लिखे गये हैं, उन्हें इस शीर्षक के अन्तर्गत लिखा जाएगा।

(i) गाड़ी भाड़ा (Carriage, Carriage Inwards and Carriage outwards), (ii) भाड़ा (Freight), (iii) छोटे औजारों, स्पेयर पार्ट्स, स्टोर्स पावर तथा ईंधन का उपभोग (Consumption of Loose Tools, spare parts, Stores, power & fuel), (iv) निर्माण व्यय (Manufacturing Expenses), (v) किराया, दर एवं कर (Rent, Rates and Taxes) (आयकर को छोड़कर), (vi) बीमा व्यय (Insurance Expenses Less prepaid if any), (vii) छूट दी (Discount allowed), (viii) कमीशन चुकाया (Commission allowed), (ix) संचालकों की फीस (Directors fees), (x) अंकेक्षण फीस (Audit fees), (xi) व्यापारिक व्यय (Trade Expenses), (xii) डूबत ऋण अपलेखन एवं डूबत ऋण आयोजन (Bad debts written off and provision for bad debts), (xiii) मशीनरी, भवन एवं अन्य स्थायी सम्पत्तियों की मरम्मत के व्यय (Repairs to machinery, Building and other fixed Assets), (xiv) कार्यालय एवं प्रशासन व्यय (Office and Administration Expenses), (xv) टेलीफोन व इंटरनेट व्यय (Telephone and Internet Expenses), (xvi) यात्रा व्यय (Conveyance Expenses and Travelling Expenses), (xvii) बैंक व्यय (Bank charges), (xviii) उत्पादन शुल्क का भुगतान (Excise Duty Paid), (xix) स्थायी सम्पत्तियों के विक्रय पर हानि (Loss on Sale of fixed Assets), (xx) मनोरंजन व्यय (Entertainment Expenses), (xxi) व्यवसाय संवर्द्धन व्यय (Business Promotion Expenses), (xxii) कोरियर व्यय (Courier Expenses), (xxiii) पट्टे का किराया (Lease Rent), (xxiv) कम्प्यूटर को किराये पर लेने के व्यय (Computer hiring charges), (xxv) अंश निर्गमन व्यय का अपलेखन (Share Issue Expenses written off), (xxvi) अंश निर्गमन के अभिगोपन कमीशन का अपलेखन (Underwriting- commission on issue of shares written off).

उदाहरण 4 : निम्नलिखित सूचना से 31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए लाभ-हानि विवरण में दर्शायी जाने वाली 'रहतिye में परिवर्तन' (Changes in Inventories) की राशि की गणना के लिए लेखा टिप्पणी तैयार कीजिये।

From the following informations for the year ending 31st March, 2017, Prepare Notes to Accounts to calculate the amount to be shown in Statement of Profit & Loss, against 'Changes in Inventory':

	Opening Inventory ₹	Closing Inventory ₹
Finished Goods	6,50,000	4,80,000
Work-in-progress	3,60,000	5,00,000
Stock – in- Trade	7,00,000	6,90,000
Materials	2,00,000	3,00,000

हल ; **Notes to Accounts**

Particulars	₹	Year ended 31-03-2017 ₹
Changes in Inventories of Finished Goods, WIP and Stock-in-Trade		
(a) Opening Inventory of Finished Goods	6,50,000	
Less: Closing Inventory of Finished Goods	4,80,000	1,70,000
(b) Opening Inventory of Work-in-Progress	3,60,000	
Less: Closing Inventory of Work-in-progress	5,00,000	(1,40,000)
(c) Opening Inventory of Stock-in-Trade	7,00,000	
Less: Closing Inventory of Stock-in-Trade	6,90,000	10,000
Total (a+b+c)		40,000

नोट: सामग्री (Materials) के प्रारम्भिक व अन्तिम स्टॉक को सामग्री उपभोग की लागत (Cost of Materials Consumed) की गणना में प्रयुक्त किया जाएगा।

उदाहरण 5 : 31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वर्ष के लिए अर्नव लि. की पुस्तकों से ली गयी निम्नलिखित सूचनाओं से लाभ-हानि विवरण तैयार कीजिए:

Following informations extracted from the books of Arnav Ltd.. Prepare a Statement of Profit and Loss for the year ending 31st March, 2017.

विक्रय(Sales) ₹ 32,00,000 ; व्यापारिक रहतिये का क्रय (Purchase of stock-in-trade) ₹13,20,000; वेतन (Salaries) ₹ 5,40,000 ; मजदूरी (Wages) ₹ 40,000 ; बोनस (Bonus) ₹ 62,000 ; चिकित्सा व्यय (Medical Expenses) ₹ 18,000 ; ग्रेच्युइटी का भुगतान (Gratuity paid) ₹ 60,000 ; भविष्य निधि कोष में अंशदान (Contribution to Provident Fund) ₹ 80,000 ; प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी (Printing & Stationary) ₹ 25,000 ; विक्रय संवर्द्धन व्यय (Sales Promotion Expenses) ₹40,000 ; ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान (Interest paid on Debentures) ₹ 70,000 ; फर्नीचर पर ह्रास (Depreciation on Furniture) ₹ 25,000 ; प्रारम्भिक व्यापारिक रहतिया (opening Stock-in-Trade) ₹ 1,40,000 ; अन्तिम व्यापारिक रहतिया (Closing Stock-in-Trade) ₹ 2,00,000 ; अवशेष का विक्रय (Sale of scrap) ₹ 90,000 ; एवं ब्याज प्राप्त (Interest Received) ₹ 30,000 ।

हल:

Arnav Ltd.

STATEMENT OF PROFIT AND LOSS

For the year ended 31 March, 2017

Particulars	Note No.	Amount ₹
I. Revenue from Operations	1	32,90,000
II. Other Income	2	30,000
III. Total Revenue (I+II)		33,20,000
IV Expenses		
Purchase of stock-in-Trade		13,20,000
Change in Inventories of Stock-in-Trade	3	(60,000)
Employee Benefit Expenses	4	8,00,000
Finance Costs	5	70,000
Depreciation and Amortization	6	25,000
Other Expenses	7	65,000
Total Expenses		22,20,000
V Profit Before Tax (III-IV)		11,00,000

Notes to Accounts:

Particulars		Amount ₹
1. Revenue From Operations : Sales	32,00,000	
Sale of Scrap	90,000	32,90,000
2. Other Income		
Interest received	30,000	30,000
3. Changes in Inventories of Stock-in-Trade		
Opening Inventory	1,40,000	
Less: Closing Inventory	2,00,000	(60,000)
4. Employee Benefit Expenses		
Wages	40,000	
Salaries	5,40,000	
Bonus	62,000	

Medical Expenses	18,000	
Contribution to Provident fund	80,000	
Gratuity paid	60,000	8,00,000
5. Finance Cost:		
Interest on Debenture		70,000
6. Depreciation and Amortization		
Depreciation on Furniture		25,000
7. Other Expenses:		
Printing and Stationary	25,000	
Sales Promotion Expenses	40,000	65,000

उदाहरण 6: निम्नलिखित सूचनाओं से कम्पनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III के प्रावधानों के अनुसार स्टार लि.का 31 मार्च 2017 का स्थिति विवरण तैयार कीजिए:

From the following informations, prepare Balance Sheet of Star Ltd. as at 31st March, 2017 according to provisions of schedule III of Companies Act, 2013. (₹ in thousand)

Equity Share Capital ₹ 4,000; Preference Share Capital ₹ 1,000; Discount on issue of Debentures (Amount to be written off in next three year) ₹ 300; Trade Receivables ₹ 6,100; Bills Payables ₹ 2,500; Preliminary Expenses ₹ 300; Securities Premium ₹ 3,000; Debentures ₹ 3,500; Statement of profit and loss (Cr.) ₹ 1,200; Depreciation on Fixed Assets ₹ 800; Gross Fixed Assets ₹ 9,100; Goodwill ₹ 50; Inventories ₹ 210; Provision for Tax ₹ 60;

STAR LTD.

Balance Sheet (As at 31 March, 2017)

(₹ in Thousand)

Particulars	Note No.	Amount ₹ 31-03-2017
I EQUITY AND LIABILITIES		
(1) Share holders funds		
(a) Share Capital	1	5,000
(b) Reserves and surplus	2	3,900
(2) Non Current Liabilities		
(a) Long Term Borrowings (Debentures)		3,500
(3) Current Assets		
(a) Trade Payables (Bills Payables)		2,500
(b) Short term provisions (Provision for Tax)		60
Total		14,960
II Assets		
(1) Non Current Assets		
(a) Fixed Assets		
(i) Tangible Assets	3	8300
(ii) Intangible Assets		50
(b) Other Non-Current-Assets	4	200
(2) Current Assets		
(a) Inventories		210
(b) Trade Receivables		6,100
(c) Other Current Assets	5	100
Total		14960

Notes to Accounts:

Particulars	₹	₹	31-03-2017 ₹
1. Share Capital			
Equity Share Capital		4,000	
Preference Share Capital		1,000	5,000
2. Reserves and Surplus			
Securities Premium	3,000		
Less: Preliminary Expenses	300	2,700	
Surplus: Statement of Profit & Loss		1,200	3,900
3. Tangible Assets			
Gross Fixed Assets		9,100	
Less: Depreciation on Fixed Assets		800	8,300
4. Other Non Current Assets			
Discount on issue of Debentures (2/3 of ₹ 300)			200
5. Other Current Assets			
Discount on issue of Debentures (1/3 of ₹ 300)			100

Note :- (1) ऋणपत्रों के निर्गमन पर बटटे को आगामी 3 वर्ष में अपलिखित करना है, अतः $300/3 = ₹ 100$ जो आगामी 12 माह में अपलिखित होता है, वह चालू सम्पत्ति माना जाएगा तथा शेष 2/3 गैर चालू दायित्व के रूप में दर्शाया जायेगा। (2) AS-26 के अनुसार प्रारम्भिक व्यय उसी वर्ष अपलिखित किये जाने हैं। प्रथम इन्हें प्रतिभूति प्रीमियम से तथा शेष लाभ हानि विवरण से अपलिखित किया जायेगा।

उदाहरण 7: एक कम्पनी के स्थिति विवरण में आप निम्न मदों को किन शीर्षकों के अन्तर्गत दिखायेंगे :

Under which heads will you show the following items in the Balance Sheet of a company:

(1) कम्प्यूटर (Computer), (2) कम्प्यूटर साफ्टवेयर (Computer software), (3) खुले औजार (Loose tools), (4) कर्मचारी हित आयोजन (Provision for Employee benefits), (5) ऋणपत्र शोधन कोष (Debentures sinking fund), (6) न चुकाया गया लाभांश (Unpaid Dividend), (7) सार्वजनिक जमायें (Public Deposits), (8) कम्पनी द्वारा दी गई गारन्टी (Guarantee Given by the Company), (9) बंधक ऋण (Mortgage Loan), (10) बकाया वेतन (Outstanding Salary), (11) चालू कार्य (Work-in-progress), (12) निर्माणाधीन भवन (Building under construction)

हल:

S. No.	Items	Heading	Sub Heading
1.	Computer	Non-Current Assets	Fixed Assets-Tangible Assets
2.	Computer Software	Non-Current Assets	Fixed Assets-Tangible Assets
3.	Loose Tools	Current Assets	Investment
4.	Provision for Employee benefits	Non Current Liabilities	Long term provision
5.	Debenture Sinking Fund	Shareholder's Funds	Reserves and Surplus
6.	Unpaid Dividend	Current Liabilities	Other Current Liabilities
7.	Public Deposits	Non Current Liabilities	Long Term Borrowings
8.	Guarantee Given by the Company	Contingent Liabilities and commitment (In Notes to	-

		Accounts under contingent Liabilities)	
9.	Mortgage Loan	Non Current Liabilities	Long Term Borrowings
10.	Outstanding Salary	Current Liabilities	Other Current Liabilities
11.	Work-in-Progress	Current Assets	Inventories
12.	Building under Construction	Non Current Assets	Fixed Assets – Capital work-in-progress

उदाहरण 8: निम्नलिखित मदों को कम्पनी के लाभ-हानि विवरण में किस मुख्य शीर्षक (Major Heads) के अन्तर्गत दिखाया जायेगा:-

Under which major heads, the following items will be shown in the Statement of Profit and Loss of a company:

(i) Depreciation on Machine (ii) Bonus (iii) Purchase of Stock-in-Trade (iv) Interest paid on Term Loan (v) Computer Software written off (vi) Revenue from services rendered (vii) Interest paid on overdraft (viii) Loss-on-Issue of Debenture written off (ix) Contribution to Provident/ Superannuation fund (x) Bank Charges (xi) Profit on sale of plant (xii) Loan processing charges (xiv) Canteen Expenses (xv) Return of material purchased

हल :

S. No.	Items	Major Head
(i)	Depreciation on Machine	Depreciation and Amortisation Expenses
(ii)	Bonus	Employee Benefit Expenses
(iii)	Purchase of stock-in-Trade	Purchase of Stock-in-Trade
(iv)	Interest paid on Term Loan	Finance Costs:Interest Expenses
(v)	Computer Software written off	Depreciation and Amortization Expenses
(vi)	Revenue from services rendered	Revenue from operations
(vii)	Interest paid on overdraft	Finance Costs:Interest Expenses
(viii)	Loss on issue of Debentures written off	Finance Costs-other Borrowing Costs
(ix)	Comtribution to Provident/Superannuation fund	Employee Benefits Expenses
(x)	Bank Charges	Other Expenses
(xi)	Profit on sale of plant	Other Income : other Non operating Income
(xii)	Loan Processing Charges	Finance Cost-other Borrowing Costs
(xiii)	Bad Debts written off and Provision for Bad Debts	Other Expenses
(xiv)	Canteen Expenses	Employee Benefit Expenses
(xv)	Return of material purchased	Cost of Material Consumed (Less from Calculations)

नोट: (1) Finance Cost शीर्षक के अन्तर्गत चुकाया गया ब्याज Interest Expenses के रूप में दर्शाया जाता है।

(2) ऋण लेने के सम्बन्धित व्यय या ऋण लेते समय हानियाँ (Discount/Loss on Issue of Debentures) Finance Cost शीर्षक के अन्तर्गत Other Borrowing Costs के रूप में दर्शायी जायेगी।

(3) Bank Charges – उक्त के अतिरिक्त व्यय है। अतः इसे Other Expenses के रूप में दर्शाया जायेगा।

(4) Return of Material Purchased को Cost of Material Consumed की गणना करते समय घटाया जायेगा।

सारांश (Summary)

- वित्तीय विवरणों का अर्थ – वित्तीय विवरणों से आशय ऐसे विवरणों से है जो निश्चित अवधि के अन्त में तैयार किये जाते हैं। स्थिति विवरण एक निश्चित तिथि को संस्था की सम्पत्तियों, दायित्वों एवं पूँजी को प्रदर्शित करता है तथा

लाभ-हानि विवरण निश्चित समयावधि के कार्य निष्पादन के परिणाम प्रदर्शित करता है। वित्तीय विवरणों के माध्यम से ही संस्था बाहरी उपयोगकर्ताओं को वित्तीय सूचनाओं का सम्प्रेषण करती है।

- **वित्तीय विवरणों में शामिल मुख्य विवरण** – मुख्यतः निम्न को शामिल किया जाता है :
(i) स्थिति विवरण या चिट्ठा, (ii) लाभ-हानि विवरण, (iii) रोकड़ प्रवाह विवरण
- **स्थिति विवरण** – वह विवरण जो एक निश्चित तिथि को संस्था की सम्पत्तियों, दायित्वों एवं पूँजी को दर्शाता है।
- **लाभ-हानि विवरण** – वह विवरण जो संस्था की एक निश्चित समयावधि के कार्य-निष्पादन की स्थिति के निर्धारण हेतु तैयार किया जाता है। इस विवरण में संस्था द्वारा अर्जित आगम एवं आगम के अर्जन पर हुए व्ययों को दर्शाया जाता है। इसका शेष शुद्ध लाभ या हानि प्रदर्शित करता है।
- **रोकड़ प्रवाह विवरण** – वह विवरण जो एक निश्चित समयावधि के दौरान होने वाली रोकड़ की प्राप्तियों एवं भुगतानों को प्रदर्शित करता हो। यह रोकड़ खाते से भिन्न होता है।
- **वित्तीय विवरणों की विशेषताएँ** – वित्तीय विवरणों की विशेषताएँ निम्न हैं:
(i) इनमें सूचनाओं को मौद्रिक रूप में प्रस्तुत किया जाता है। (ii) ये ऐतिहासिक प्रपत्र होते हैं, (iii) ये संस्था की वित्तीय स्थिति एवं लाभ-हानि को दर्शाते हैं, (iv) ये सूचनाओं के उपयोगकर्ताओं को आवश्यक सूचना उपलब्ध कराते हैं।
- **वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ता**– वित्तीय विवरणों का उपयोग अनेक वर्गों यथा – अंशधारी, लेनदार, ऋणदाता, प्रबन्धक कर्मचारी, सरकार, बैंक एवं वित्तीय संस्थान तथा कर अधिकारी आदि के द्वारा किया जाता है।
- **वित्तीय विवरणों के उद्देश्य** – वित्तीय विवरणों के मुख्य उद्देश्य निम्न हैं:
(i) वित्तीय स्थिति से सम्बन्धित सूचना उपलब्ध करवाना, (ii) लाभदायकता से सम्बन्धित सूचना प्रस्तुत करना, (iii) विवरणों के उपयोगकर्ताओं को पर्याप्त एवं वांछित सूचना उपलब्ध करवाना, (iv) भावी निर्णय के लिए आधार, (v) वित्तीय स्थिति एवं लाभ-हानि का सही एवं उचित चित्रण करना, (vi) सामाजिक वातावरण के उन्नयन हेतु किये गये कार्यों की जानकारी।

शब्दावली (Glossary)

क्रम संख्या	हिन्दी	अंग्रेजी	विवरण
1.	वित्तीय विवरण	Financial Statements	कम्पनी की वित्तीय स्थिति एवं कार्य निष्पादन के परिणाम प्रदर्शित करने वाले विवरण पत्र।
2.	वित्तीय वर्ष	Financial Year	सामान्यतः प्रत्येक वर्ष 31 मार्च को समाप्त होने वाली अवधि को वित्तीय वर्ष कहते हैं।
3.	चालू सम्पत्ति	Current Assets	वे सम्पत्तियाँ जो व्यवसाय की सामान्य दशा में सामान्य संचालन चक्र की अवधि में या चिट्ठे की तिथि से 12 माह में नकद में परिवर्तित हो जाती हैं।
4.	गैर चालू सम्पत्तियाँ	Non Current Assets	चालू सम्पत्तियाँ के अतिरिक्त शेष सभी सम्पत्तियाँ गैर चालू सम्पत्तियाँ कहलाती हैं।
5.	संचालन चक्र	Operating Cycle	संचालन चक्र वह समयावधि है जो किसी सम्पत्ति को क्रय करने और इसके नकद अथवा नकद तुल्य में परिवर्तन होने के बीच लगती हैं।
6.	चालू दायित्व	Current Liabilities	वे दायित्व जिनका भुगतान सामान्य संचालन चक्र की अवधि में या चिट्ठे की तिथि से 12 माह में करना है।
7.	गैर चालू दायित्व	Non Current Liabilities	वे दायित्व जिनका भुगतान चिट्ठे की तिथि से 12 माह के पश्चात करना है।
8.	स्थगित कर दायित्व	Deffered Tax Liabilities	स्थगित कर दायित्व उस समय उत्पन्न होता है जब लेखांकन आय, कर योग्य आय से अधिक होती है।

9.	दीर्घकालीन आयोजन	Long Term Provisions	वे सभी आयोजन जिनके विरुद्ध दावे स्थिति विवरण की तिथि से 12 माह पश्चात चुकाये जाने की सम्भावना हैं।
10.	अल्पकालीन ऋण	Short Term Loan	ऐसे ऋण जो ऋण लेने की तिथि से 12 माह के अन्दर चुकाये जाते हैं, अल्पकालीन ऋण कहलाते हैं।
11.	व्यापारिक देयताएँ	Trade Payables	माल के क्रय अथवा सेवायें प्राप्त करने के सम्बन्ध में देय राशियाँ। इनमें लेनदार एवं देय विपत्रों को शामिल किया जाता है।
12.	दायित्व	Liability	भविष्य में चुकायी जाने वाली वह राशि जो निश्चित हो, दायित्व कहलाती है।
13.	आयोजन	Provisions	ऐसे ज्ञात दायित्व जिनकी राशि का अनुमान सही तरीके से न लगाया जा सके, उनकी पूर्ति के लिये आयोजन बनाया जाता है।
14.	संचय	Reserves	संस्था की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने तथा अज्ञात हानियों की पूर्ति हेतु संचय का निर्माण किया जाता है।
15.	स्थायी सम्पत्तियाँ	Fixed Assets	वे सम्पत्तियाँ जिन्हें व्यवसाय में निरन्तर उपयोग के लिए रखा जाता है न कि विक्रय के लिए।
16.	मूर्त सम्पत्तियाँ	Tangible Assets	वे सम्पत्तियाँ जिनका भौतिक अस्तित्व होता है तथा जिन्हें देखा व छुआ जा सकता है।
17.	अमूर्त सम्पत्तियाँ	Intangible Assets	वे सम्पत्तियाँ जिनका कोई भौतिक अस्तित्व नहीं होता है तथा जिन्हें देखा व छुआ नहीं जा सकता है।
18.	पूँजीगत कार्य जो प्रगति पर हैं	Capital Work-in-Progress	पूँजीगत कार्य जो प्रगति पर है से आशय ऐसी स्थायी मूर्त सम्पत्तियों से है जो स्वयं निर्मित एवं निर्माणाधीन हो।
19.	व्यापारिक विनियोग	Trade Investment	किसी भी संस्था द्वारा अपने व्यापार एवं व्यवसाय में वृद्धि के उद्देश्य से अन्य कम्पनी के अंशों, ऋणपत्रों आदि में किया गया विनियोग व्यापारिक विनियोग कहलाता है।
20.	अन्य विनियोग	Other Investments	व्यापारिक विनियोगों के अलावा शेष सभी विनियोग अन्य विनियोग कहलाते हैं।
21.	सम्पत्ति में विनियोग	Investments in Property	जब किसी भूमि एवं भवन में विनियोग, मूल्य वृद्धि अथवा किराया अर्जित करने के उद्देश्य से किया जाता है न कि व्यवसाय में निरन्तर उपयोग के लिए उस सम्पत्ति को रखा जाता है तो यह सम्पत्ति में विनियोग कहलाता है।
22.	स्थगित कर सम्पत्तियाँ	Deffered Tax Assets	स्थगित कर सम्पत्ति उस समय उत्पन्न होती है जब लेखांकन आय कर योग्य आय से कम होती है।
23.	स्टॉक	Stock	स्टॉक से आशय उन सभी वस्तुओं माल से है जिन्हें व्यापार के सामान्य संचालन में व्यापारिक उद्देश्य से रखा जाता है।
24.	व्यापारिक प्राप्यताएँ	Trade Receivables	व्यापार के सामान्य संचालन में माल का विक्रय करने अथवा सेवायें प्रदान करने से प्राप्य राशियाँ व्यापारिक प्राप्य कहलाते हैं। इनमें देनदार तथा प्राप्य बिल शामिल होते हैं।
25.	रोकड तुल्य	Cash Equivalents	ऐसे अल्पकालीन विनियोग जो अत्यधिक तरल है अर्थात् जिन्हें तुरन्त रोकड में परिवर्तित किया जा सकता है और इनके मूल्य में परिवर्तन का जोखिम नहीं के बराबर होता है।
26.	आकस्मिक दायित्व	Contingent Liabilities	वे दायित्व जो वर्तमान में दायित्व नहीं हैं परन्तु जिनका होना या न होना भविष्य की किसी घटना पर आधारित होता है।
27.	वचनबद्धताएँ	Commitments	भविष्य में किन्हीं निश्चित दशाओं में किसी निश्चित समय पर

			किसी निश्चित कार्य को करने का अनुबन्ध, वचनबद्धताएं कहलाता है।
28.	संचालन क्रियाओं से आगम	Revenue from Operations	एक कम्पनी द्वारा कम्पनी की व्यावसायिक क्रियाओं यथा माल के विक्रय एवं सेवा प्रदान करने से अर्जित आगम संचालन क्रियाओं से आगम कहलाता है।
29.	अन्य आय	Other Income	संस्था को व्यावसायिक क्रियाओं के अलावा अन्य साधनों से अर्जित आय, अन्य आय कहलाती है।
30.	रहतिये में परिवर्तन	Changes-in-Inventories	रहतिये में परिवर्तन से आशय संस्था के पास उपलब्ध स्टॉक, अर्द्धनिर्मित माल एवं निर्मित माल के प्रारम्भिक रहतिये व अन्तिम रहतिये के शुद्ध अन्तर से है।
31.	कर्मचारी हित व्यय	Employee Benefit Expenses	वे व्यय जो कर्मचारियों के वेतन, मजदूरी तथा सुविधाओं से सम्बन्धित है।
32.	ह्रास	Depreciation	मूर्त स्थायी सम्पतियों को अपलिखित करने की लागत ह्रास कहलाती है।
33.	प्रत्युत्सर्जन अपलेखन	Amortization	दीर्घकालीन अमूर्त सम्पतियों के अपलेखन की लागत को प्रत्युत्सर्जन कहा जाता है।

अभ्यासार्थ प्रश्न (Questions for Exercise)

बहुचयनात्मक प्रश्न (Multiple choice Questions)

- वित्तीय विवरण तैयार किये जाते हैं (Financial statements are prepared at the time of) :-
 - व्यवसाय के प्रारम्भ के समय (Inception of Business)
 - लेखा वर्ष के अन्त में (End of Accounting year)
 - व्यवसाय के समापन के समय (Winding up of Business)
 - इनमें से कोई नहीं (None of these)
- वह विवरण जो कम्पनी की वित्तीय स्थिति को दर्शाता है
The Statement which depicts the financial position of a company:
 - स्थिति विवरण (Balance Sheet)
 - रोकड प्रवाह विवरण (Cash flow statement)
 - लाभ-हानि विवरण (Statement of Profit and Loss)
 - समता में परिवर्तनों का विवरण (Statement of Changes in Equity)
- निम्न में से किस कम्पनी को रोकड प्रवाह विवरण बनाना अनिवार्य है:
For which of the following company, it is necessary to prepare Cash Flow Statement :-
 - निष्क्रिय कम्पनी (Inactive Company)
 - सार्वजनिक कम्पनी (Public Company)
 - एक व्यक्ति कम्पनी (One person Company)
 - लघु कम्पनी (Small Company)
- कम्पनी के स्वामी कहलाते हैं : Owners of the Company are :-
 - अंशधारी (Shareholders)
 - ऋणदाता (Loan providers)
 - लेनदार (Creditors)
 - उपर्युक्त सभी (All the above)
- वित्तीय विवरण उपयोगी होते हैं : Financial Statements are useful for :
 - कर्मचारियों के लिए (Employees)
 - प्रबन्धकों के लिए (Managers)

- (स) अंशधारियों के लिए (Shareholders)
 (द) सभी के लिए (All of above)
6. कम्पनी की दृष्टि से वित्तीय वर्ष समाप्त होता है : For a company financial year ends :-
 (अ) 30 जून को (On 30 June)
 (ब) 30 सितम्बर को (On 30 September)
 (स) 31 दिसम्बर को (On 31 December)
 (द) 31 मार्च को (On 31 March)
7. आर्थिक चिट्ठे में सामान्य संचय को किस शीर्षक के अन्तर्गत दिखाया जायेगा :
 General Reserves will be shown under which head of the Balance Sheet:
 (अ) अल्पकालीन आयोजन (Short Term Provisions)
 (ब) अंश पूँजी (Share Capital)
 (स) विविध व्यय (Miscellaneous Expenses)
 (द) संचय एवं आधिक्य (Reserves and Surplus)
8. कम्पनी के स्थिति विवरण में 'समता एवं दायित्व' भाग में मुख्य शीर्षकों की संख्या है:
 Number of main heads under 'Equity and Liabilities' part of Balance Sheet of a company is :-
 (अ) 1 (ब) 2 (स) 3 (द) 4
9. जब लेखांकन आय कर योग्य आय से अधिक होती है तो उत्पन्न होता है:
 When accounting income exceeds taxable income, it leads to :-
 (अ) स्थगित कर दायित्व (Defererd Tax Liability)
 (ब) स्थगित कर सम्पत्ति (Deferred Tax Assets)
 (स) दीर्घकालीन ऋण (Long Term Loan)
 (द) इनमें से कोई नहीं (None of these)
10. निम्न में से कौनसा व्यय कर्मचारी हित का व्यय नहीं है :
 Which of the following is not employee benefits expenses :-
 (अ) वेतन (Salary)
 (ब) भविष्य निधि अंशदान (Provident fund contribution)
 (स) कारखाने की मशीन मरम्मत (Repairs of factory machine)
 (द) ग्रेच्युइटी भुगतान (Payment of Gratuity)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न (Very Short Answer Type Questions)

- वित्तीय विवरणों से क्या आशय है ?
What is meant by financial statements ?
- कम्पनी के द्वारा तैयार किये जाने वाले दो मुख्य वित्तीय विवरणों के नाम बताइये।
Name the two financial statements prepared by a company.
- एक कम्पनी के स्थिति विवरण के सम्पत्ति भाग के प्रमुख शीर्षकों के नाम बताइये।
Write the name of the major heads of the Assets of the Balance sheet of a company.
- वित्तीय विवरणों को ऐतिहासिक प्रपत्र क्यों कहा जाता है ?
Why are financial statements called as historical document ?
- संचालन चक्र क्या है ?
What is operating cycle ?
- व्यापारिक देयता को परिभाषित कीजिए।
Define Trade Payables.
- लाभ-हानि विवरण किसे कहते हैं ?
What is meant by Statement of Profit and Loss ?

8. चालू दायित्व से क्या आशय है ?
What is meant by Current Liabilities ?
9. स्थिति विवरण में बकाया मांग को कैसे प्रदर्शित किया जाता है ?
How are calls-in-arrear shown in Balance Sheet ?
10. 'अंश आवेदन राशि, जब तक आबन्तन न हो' से क्या आशय है ?
What is meant by 'share application money, pending allotment' ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न (Short Answer Type Questions)

1. कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(40) के अनुसार वित्तीय विवरणों में कौन-कौन से विवरण शामिल होते हैं ?
Which statement are included in the financial statements under section 2(40) of the Companies Act, 2013 ?
2. वित्तीय विवरणों की प्रमुख विशेषताओं को बताइये।
Write main characteristics of financial statements.
3. वित्तीय विवरणों के चार उद्देश्य बताइये।
Write four objectives of financial statements.
4. चालू सम्पत्ति किसे कहते हैं ?
What is meant by Current Assets ?
5. व्यापारिक प्राप्तताओं का अर्थ बताइये।
Explain meaning of Trade Receivables.
6. स्थिति विवरण के 'संचय एवं आधिक्य' शीर्षक के अन्तर्गत लिखी जाने वाली चार मदें लिखिये।
Write four items under the head of 'Reserves and surplus' of Balance Sheet.
7. 'अंश विकल्प अदत्त खाता' क्या है ? समझाइये।
What is 'share options outstanding Account' ? Explain.
8. गैर चालू सम्पत्ति शीर्षक के अन्तर्गत आने वाले पांच उप शीर्षकों के नाम लिखिये।
Write the names of five sub heads comprising under the heads 'Non Current Assets' ?
9. रोकड़ तुल्य को समझाइये।
Explain Cash Equivalents.

निबन्धात्मक प्रश्न (Esasay Type Questions)

1. वित्तीय विवरणों से क्या आशय है ? इनकी विशेषताएँ बताते हुये इनके उद्देश्य लिखिये।
What do you mean by financial statements ? Describe characteristics and objectives of these.
2. चिट्ठे से क्या आशय है ? इसका प्रारूप दीजिए।
What do you mean by Balance Sheet ? Give its format.
3. लाभ-हानि विवरण का अर्थ बताइये तथा इसका प्रारूप दीजिए।
What is meant by Profit and Loss statement ? Give its format.
4. आकस्मिक दायित्व एवं वचनबद्धताओं को समझाइये।
Explain contingent Liabilities and Commitments.
5. एक कम्पनी के स्थिति विवरण में निम्न मदों को आप किन शीर्षकों के अन्तर्गत दिखायेंगे ?
Under which heads will you show the following items in the Balance Sheet of a company ?
(1) अंश वारन्ट के विरुद्ध प्राप्त धनराशि (Money received against share warrants), (2) भविष्य निधि के लिए आयोजन (Provision for provident Fund), (3) विविध देनदार एवं प्राप्य बिल (Sundry Debtors and B/R), (4) मांग पर चुकता ऋण (Loan repayable on demand), (5) ख्याति, पेटेन्ट एवं व्यापारिक चिन्ह (Goodwill, Patents and Trade marks), (6) सरकारी सहायता संचय (Government subsidy Reserves), (7) जब्त अंश (Forfeited shares), (8) अंश विकल्प अदत्त (Shares options outstanding), (9) ऋणपत्रों के शोधन पर प्रीमियम (Premium on Redemption of Debentures), (10) हिण्डाल को. लि. के अंश (Shares in Hindal Co. Ltd.)

6. एक कम्पनी के लाभ-हानि विवरण में निम्न मदों को आप किस मुख्य शीर्षक (Major Head) के अन्तर्गत दर्शाएंगे?

Under which major head will you show the following items in the Statement of Profit and Loss of a company ?

(1) प्राप्त किराया (Rent Received), (2) प्रोजेक्ट परामर्श से आय (Revenue from project consultancy), (3) संचालन क्रियाओं से आगम : वापसी (Revenue from operations : Return), (4) व्यापारिक व्यय (Trade Expenses), (5) छुट्टियों के बदले नकद भुगतान (Leave Encashment Expenses), (6) कर वापसी (Refund of Income Tax), (7) हस्तांतरण शुल्क (Transfer fees), (8) विनियोगों के विक्रय से हानि (Loss on sale of Investment), (9) अवशेष विक्रय (Sale of scrap), (10) स्टोर्स एवं स्पेयर पार्ट्स प्रयुक्त (Stores and Spares parts used), (11) वेतन एवं मजदूरी (Salary and Wages), (12) निर्माण व्यय (Manufacturing Expenses), (13) टेलीफोन व इंटरनेट व्यय (Telephone & Internet Expenses), (14) अंश निर्गमन व्ययों का अपलेखन (Share Issue Expenses written off), (15) पट्टे का किराया (Lease Rent)

बहुचयनात्मक प्रश्नों के उत्तर

उत्तर :	(1) ब	(2) अ	(3) ब	(4) अ	(5) द	(6) द	(7) द	(8) द	(9) अ	(10) स
---------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	--------

आंकिक प्रश्न (Numerical Questions)

1. निम्नलिखित सूचना से एक गैर वित्तीय कम्पनी की संचालन से आगम, अन्य आय तथा कुल आय की गणना कीजिए:

From the following informations, calculate Revenue from operations, Other Income and Total Revenue of non financial company :

विक्रय की आगम (Revenue from Sales) ₹ 30,00,000 ; विक्रय वापसी (Sales Return) ₹ 6,50,000 ; स्क्रेप की बिक्री (Sale of Scrap) ₹ 1,50,000 ; बैंक में जमा पर ब्याज (Interest on Bank Deposit) ₹ 2,00,000 ; ऋणपत्रों पर अर्जित ब्याज (Interest earned on Debentures) ₹ 50,000

उत्तर : [₹ 25,00,000 , ₹ 2,50,000 एवं ₹ 27,50,000]

2. निम्नलिखित सूचनाओं से रेलीगेयर लि.(एक वित्तीय कम्पनी) की संचालन से आगम, अन्य आय तथा कुल आगम की गणना कीजिए :

From the following informations of Religare Ltd. (a financial company), calculate Revenue from operations, Other Income and Total Revenue :

विनियोगों की बिक्री से लाभ (Profit on Sale of Investments) ₹ 5,00,000 ; भवन की बिक्री से लाभ (Profit on Sale of Building) ₹ 4,50,000 ; विविध आय (Miscellaneous Income) ₹ 50,000 ; लाभांश प्राप्त (Dividend Received) ₹ 4,00,000 ; ऋणों पर ब्याज (Interest on Loans) ₹ 25,00,000

उत्तर : [₹ 34,00,000 , ₹ 5,00,000 एवं ₹ 39,00,000]

3. एक कम्पनी के तलपट से निम्नलिखित शेष लिए गये हैं :

The following balances are taken from Trial Balance of a company :

IDBI से ऋण (Loan from IDBI) ₹ 5,00,000 ; भूमि एवं भवन (Land and Building) ₹ 3,70,000 ; संयंत्र एवं मशीनरी (Plant and Machinery) ₹ 2,58,000 ; फर्नीचर (Furniture) ₹ 45,000 ; विनियोग (Investments) ₹ 2,47,000 ; लाभ-हानि विवरण का नाम शेष (Dr. Balance of P&L Statement) ₹ 50,000; व्यापारिक प्राप्य (Trade Receivables) ₹ 2,25,000 ; स्कन्ध (Inventory) ₹ 1,75,000 ; रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य (Cash and Cash Equivalents) ₹ 51,000

आपको कम्पनी अधिनियम 2013 के अनुसार चिट्ठे का सम्पत्ति पक्ष तैयार करना है।

You are required to draw up assets side of Balance sheet as per Companies Act, 2013.

उत्तर : [सम्पत्ति पक्ष का योग ₹ 13,71,000]

4. एक कम्पनी के तलपट से निम्नलिखित शेष लिये गये हैं:

The following balances are taken from Trial Balance of a company :

1,20,000 Equity shares of ₹ 10 each fully called up ₹ 12,00,000 ; Calls-in-arrears on 5,000 shares @ ₹ 2 each ₹ 10,000 ; General Reserves ₹ 5,80,000 ; Preliminary Expenses ₹ 20,000 ; Provision for Provident fund ₹ 1,20,000 ; Trade Payables ₹ 3,00,000 ; Loan from Bank ₹ 5,00,000 ; Provision for Doubtful Debt ₹ 40,000

1,20,000 समता अंश ₹ 10 वाले पूर्ण प्रदत्त ₹ 12,00,000; बकाया मॉग 5,000 अंशों पर ₹ 2 प्रति अंश ₹ 10,000; सामान्य संचय ₹ 5,80,000; प्रारम्भिक व्यय ₹ 20,000; भविष्य निधि आयोजन ₹ 1,20,000; व्यापारिक देयताएँ ₹ 3,00,000; बैंक से ऋण ₹ 5,00,000; संदिग्ध ऋण आयोजन ₹ 40,000;

आपको कम्पनी अधिनियम 2013 के अनुसार चिट्ठे का समता एवं दायित्व पक्ष तैयार करना है।

You are required to prepare Equity and Liabilities side of Balance sheet as per Companies Act, 2013.

उत्तर : [समता एवं दायित्व पक्ष का योग ₹ 27,10,000]

5. 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष से सम्बन्धित निम्न सूचनाओं से कर्मचारी हित व्यय पर लेखांकन टिप्पणी तैयार कीजिए :

Prepare Notes to Accounts on Employee Benefits Expenses from the following informations for the year ended 31 March, 2017.

(i) Entertainment Expenses ₹ 1,50,000 (ii) Staff Welfare Expenses ₹ 2,70,000 (iii) Travelling Expenses ₹ 80,000 (iv) Bonus ₹ 5,50,000 (v) Salaries ₹ 18,70,000 (vi) Wages ₹ 25,20,000

उत्तर : ₹ 52,10,000

6. 31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष की सुजुकी लि. की निम्नलिखित सूचनाओं से कम्पनी का चिट्ठा बनाइये।

From the following informations prepare Balance Sheet of Suzuki Ltd. as at 31st March, 2017:

Share Capital ₹ 24,00,000 ; Deferred Tax Liabilities ₹ 60,000 ; General Reserves ₹ 6,00,000 ; Balance of Statement of Profit & Loss (Cr.) ₹ 5,20,000; Tangible Fixed Assets ₹ 34,60,000; Trade Receivables ₹ 8,00,000; Provision for Doubtful Debts ₹ 40,000; Trade Payables ₹ 3,20,000; Provision for Tax ₹ 80,000; Proposed Dividend ₹ 2,40,000.

अंश पूँजी ₹ 24,00,000; स्थगित कर देयताएँ ₹ 60,000; सामान्य संचय ₹ 6,00,000; लाभ-हानि विवरण का शेष (क्रेडिट) ₹ 5,20,000; दृश्यनीय स्थायी सम्पत्तियाँ ₹ 34,60,000; व्यापारिक प्राप्यताएँ ₹ 8,00,000; संदिग्ध ऋण आयोजन ₹ 40,000; व्यापारिक देयताएँ ₹ 3,20,000; कर आयोजन ₹ 80,000; प्रस्तावित लाभांश ₹ 2,40,000

उत्तर : चिट्ठे का योग ₹ 42,60,000

7. शुभम लिमिटेड की 31 मार्च, 2017 को दी गई निम्न सूचनाओं से लाभ-हानि विवरण तैयार कीजिए :-

From the following informations, Prepare Statement of Profit & Loss of Shubham Ltd., for the year ending 31 March, 2017 :

Sales ₹ 45,00,000 ; Cost of Material Consumed ₹ 8,00,000 ; Purchase of Stock-in-Trade ₹ 30,00,000 ; 10% Debentures (Issued on 01-04-2016) ₹ 2,00,000 ; Depreciation on Machinery ₹ 50,000 ; Interest received ₹ 60,000 ; Wages ₹ 1,80,000 ; Salaries ₹ 60,000 ; Sale of Scrap ₹ 10,000 ; Opening Stock-in-Trade ₹ 3,00,000 ; Closing stock-in-Trade ₹ 5,00,000.

विक्रय ₹ 45,00,000; उपभोग की सामग्री की लागत ₹ 8,00,000; स्टॉक का क्रय ₹ 30,00,000; 10% ऋणपत्र (1.4.16 को जारी) ₹ 2,00,000; मशीन पर ह्रास ₹ 50,000; ब्याज प्राप्त ₹ 60,000; मजदूरी ₹ 1,80,000; वेतन ₹ 60,000; स्क्रेप की बिक्री ₹ 10,000; प्रारम्भिक स्टॉक ₹ 3,00,000; अन्तिम स्टॉक ₹ 5,00,000.

उत्तर : कर से पूर्व लाभ ₹ 6,60,000

8. गणेश लि. की निम्नलिखित सूचनाओं से 31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष का चिट्ठा बनाइये :-

From the following informations, Prepare Balance Sheet of Ganesh Ltd. as at 31 March, 2017:-

Fully paid 50,000 Equity shares ₹ 10 each ₹ 5,00,000; 25,000 8% Preference shares ₹ 10 each fully paid up ₹ 2,50,000 ; 7% Debentures ₹ 5,00,000 ; Trade Creditors ₹ 5,72,500 ; Cash and Cash Equivalents ₹ 1,37,500 ; Provision for Tax ₹ 85,000 ; Goodwill at Cost ₹ 1,25,000 ; Balance of Statement of Profit & Loss (Dr.) ₹ 1,50,000 ; Provision for Doubtful Debts ₹ 10,100 ; Tangible Fixed Assets at Cost ₹ 25,00,000 ; Other Current Assets ₹ 3,25,000 ; General Reserves ₹ 10,25,000 ; Short Term Loans ₹ 13,50,000 ; Long Term Advances ₹ 1,86,000 ; Short Term Advances ₹ 56,500 ; Securities Premium ₹ 2,37,500 ; Non Current Investments ₹ 1,00,000 ; Current Investments ₹ 12,600 ; Sundry Debtors ₹ 6,12,500 ; Creditors for Expenses ₹ 1,00,000 ; Closing Stock : Stores ₹ 2,00,000 ; and Finished goods ₹ 3,75,000 (Total ₹ 5,75,000); Capital Work-in-Progress ₹ 1,00,000 ; Accumulated Depreciation on Fixed Assets ₹ 2,50,000; ₹ 10 वाले 50,000 पूर्ण प्रदत्त समता अंश ₹ 5,00,000 ; ₹ 10 वाले 25,000 पूर्ण प्रदत्त 8% पूर्वाधिकार अंश ₹ 2,50,000; 7% ऋणपत्र ₹ 5,00,000; व्यापारिक दायित्व ₹ 5,72,500; रोकड व रोकड तुल्य ₹ 1,37,500; कर आयोजन ₹ 85,000; ख्याति लागत पर ₹ 1,25,000; लाभ-हानि विवरण शेष (डेबिट) ₹ 1,50,000; संदिग्ध ऋण आयोजन ₹ 10,100; दृश्यनीय स्थायी सम्पत्तियाँ लागत पर ₹ 25,00,000; अन्य चालू सम्पत्तियाँ ₹ 3,25,000; सामान्य संचय ₹ 10,25,000; अल्पकालीन ऋण ₹ 13,50,000; दीर्घकालीन ऋण ₹ 1,86,000; अल्पकालीन अग्रिम ₹ 56,500; अंश प्रीमियम ₹ 2,37,500; गैर चालू विनियोग ₹ 1,00,000; चालू विनियोग ₹ 12,600; विविध देनदार ₹ 6,12,500; व्ययों के लिए लेनदार ₹ 1,00,000; अन्तिम स्टॉक: स्टोर्स ₹ 2,00,000; निर्मित माल ₹ 3,75,000; (कुल ₹ 5,75,000); पूँजीगत अर्द्ध निर्मित कार्य ₹ 1,00,000; स्थायी सम्पत्तियों पर एकत्रित ह्रास ₹ 2,50,000.

उत्तर : चिट्ठे का योग ₹ 44,80,100.